वर्ष : 17 ❖ अंक : 30 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
बुधवार, 31 अगस्त 2022

दुमका की अंकिता के दोषियों को मिले सजा : राहुल गांधी 3

दिल्ली में भ्रष्टाचार का ट्विन टावर है शिक्षा और शराब घोटाला : मनोज तिवारी 8

नवी मुंबई में सिक्किम सुस्वास्थ्य भवन का शिलान्यास

मुंबई आने वाले सिक्किम के लोगों को होगी सुविधा : सीएम गोले

मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) के नेतृत्व में वरिष्ठ अधिकारियों के एक दल ने एक उपयुक्त जमीन मुहैया कराने हेतु महाराष्ट्र सरकार तथा सम्बंधित स्थानीय निकाय प्रबंधन से बातचीत की थी। इसके बाद 2021 में मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाले कैबिनेट मंत्रियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम ने करीब एक एकड़ की इस जगह का चुनाव किया। गौरतलब है कि मुम्बई का सिक्किम सुस्वास्थ्य भवन दिल्ली, कोलकाता तथा गुवाहाटी के बाद राज्य के भवनों में एक और संयोजन होगा।

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 30 अगस्त। सिक्किम के स्वास्थ्य क्षेत्र को एक नया आयाम देते हुए राज्य सरकार द्वारा मुम्बई के नवी मुम्बई स्थित खारगर में सिक्किम सुस्वास्थ्य भवन की आधारशिला रखी गई। सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद ने मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) एवं श्रीमती कृष्णा तमांग की मौजूदगी में इस भवन हेतु भूमि पूजन किया। इस अवसर पर सिक्किम और महाराष्ट्र की सरकारों के कई प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

यह गेस्ट हाउस सह इम्पोरियम 3999.94 वर्ग मीटर जमीन पर तैयार किया जायेगा जिसे मुम्बई सिटी एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा सिक्किम को मुहैया करायी गयी है। इस भवन के निर्माण में 51.52 करोड़ रुपये की लागत आयेगी। इस अवसर पर राज्यपाल गंगा प्रसाद और मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के बाद प्रस्तावित परियोजना स्थल का मुआयना किया। उन्हें पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन विभाग के मुख्य अभियंता नीरज प्रधान ने वहां की जानकारियां प्रदान कीं। इसके बाद भूमि पूजन स्थल पर पहुंच कर राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने सुस्वास्थ्य भवन की आधारशिला रखी। पूजा के बाद वहां अतिथियों द्वारा पौधरोपण भी किया गया।

इस अवसर पर परियोजना पर एक थ्रीडी वीडियो के माध्मय से प्रस्तुति भी दी गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुख्य रूप से मुम्बई में चिकित्सा कराने आने वाले सिक्किमवासियों को आवास की सुविधा प्रदान करने हेतु ही इस भवन का निर्माण किया जा रहा है। इसके अलावा सिक्किम सुस्वास्थ्य भवन से पढ़ाई या नौकरी के सिलसिले में आने वाले राज्य के विद्यार्थियों एवं अन्य यात्रियों को भी सुविधाएं प्राप्त होंगी। इसके लिए इसके अपनी विशिष्ट गरिमा एवं पृष्ठभूमि है। लेकिन आधुनिकता के साथ ही इसमें भी कई विकृतियां आ गयी हैं। ऐसे में नेपाली संस्कृति संरक्षण संघ द्वारा आगामी पीढ़ी को इसके प्रति अच्छा संदेश देने हेतु यह तीज पर्व महोत्सव का आयोजन किया गया है।

यहां अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि फुर्वा छिरिंग भूटिया ने उपस्थित नारी समूह को शुभकामनाएं देते हुए इस आयोजन पर खुशी जाहिर की और इसे संस्कृति के लिए सीखने का जरिया बताया। वहीं कार्यक्रम में अन्य वक्ताओं ने भी अपना सम्बोधन रखा। साथ ही यहां सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुआ।

वहीं मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने कार्यक्रम में अपने वक्तव्य में भूमि पूजा हेतु उपस्थित होने के लिए राज्यपाल गंगा प्रसाद के प्रति आभार जताते हुए महाराष्ट्र सरकार तथा सीआईडीसीओ को सिक्किम सरकार को इस कीमती जमीन काफी वाजिब कीमत पर उपलब्ध कराने हेतु धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि सिक्किम सरकार की इस पहल से मुम्बई में चिकित्सा एवं अन्य कार्यों से आने वाले राज्यवासियों की मुश्किलों का समाधान होगा। साथ ही उन्होंने अपनी सरकार पर विश्वास जताने हेतु राज्यवासियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि राज्य सरकार सभी जनप्रतिनिधियों, सम्बंधित अधिकारियों, पंचायत प्रतिनिधियों, काउंसिलरों तथा सरकार के अन्य विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके योगदान के प्रति सम्मान जताती है। इसलिए सभी को इस भूमि पूजन कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है।

इसके अलावा मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने राज्य सरकार के सभी मंत्रियों, अधिकारियों को कार्यक्रम में उपस्थित होने तथा पनवेल के विधायक प्रशांत ठाकुर को विशेष रूप से उनकी उपस्थिति हेतु धन्यवाद दिया। साथ ही उन्होंने महाराष्ट्र वासियों को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं भी दी। वहीं इस दौरान राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने महाराष्ट्र सरकार तथा सीआईडीसीओ के अधिकारियों को परियोजना में उनके निरंतर सहयोग हेतु सम्मानित भी किया।

उल्लेखनीय है कि कुल 43054.90 वर्ग फीट क्षेत्रफल वाले इस जमीन पर तैयार होने वाले 29.30 मीटर ऊंचे भवन में सात मंजिलें होंगी। इसमें कुल 56 कमरे होंगे जिनमें बारह सिंगल बेड और 25 डबल बेड के कमरों के अलावा 8 सुइट, एक जुनियर सुइट, दो वीआईपी सुइट तथा दो डोरमेटरी होंगे। पूरी तरह तैयार होने के बाद इस भवन में एक साथ 905 लोग रह सकेंगे। वहीं इस भवन में स्टाफ कमरे, वीआईपी लाउंज, मल्टीपर्पज हॉल, कॉफ्रेंस रूम एवं अन्य सुविधाएं भी होंगी।

महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मुलाकात करते सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद।

सभी मतभेद भुलाकर भाइचुंग का करें समर्थन : विधायक थापा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 30 अगस्त। भारतीय जनता पार्टी के विधायक डी.आर. थापा ने तमाम मतभेदों को भुला कर ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष पद के चुनाव में प्रतिद्विन्द्विता कर रहे भाइचुंग भूटिया का समर्थन करने की घोषणा की है। साथ ही उन्होंने अन्य सभी से भी भूटिया को समर्थन देने का आग्रह भी किया है।

इस सम्बंध में डी.आर. थापा ने यहां कहा कि भारतीय फुटबॉल जगत में भाइचुंग भूटिया का नाम सर्वविदित है। उन्होंने सिक्किम के साथ ही देश में फुटबाल को एक नई पहचान दी है। राज्य में वह फुटबॉल खेल क्षेत्र के ध्वजवाहक रहे हैं। उन्होंने भारतीय फुटबॉल जगत में अपना उल्लेखनीय योगदान देने के बाद अब देश में फुटबॉल की शीर्ष संस्था के अध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवारी कर रहे हैं। ऐसे में यह हमारा कर्तव्य है कि खेल क्षेत्र के ऐसे दूरद्रष्टा और देश के गौरव को हम अपना समर्थन दें।

डी.आर. थापा ने कहा कि भूटिया ने देश के युवाओं को उनके जैसा बनने हेतु प्रेरित किया है। उन्होंने देश को काफी कुछ दिया है। अब हमारा कर्तव्य है कि हम उनका साथ दें जिससे कि वह अपने जैसे और फुटबॉलर तैयार कर सकें। उन्होंने कहा कि अपने करीब 20 वर्ष के खेल जीवन में भाइचुंग इसकी सभी चुनौतियों, संघर्षों एवं कार्य पद्धतियों से भली-भांति परिचित हैं। इसलिए मेरे विचार से वह एआईएफएफ के अध्यक्ष पद के लिए सर्वाधिक उपयुक्त व्यक्ति हैं। थापा ने राज्य के सभी लोगों एवं राजनीतिक पार्टियों से अपने मतभेदों एवं अन्य भिन्नताओं को भुलाकर एकजुट हो एआईएफएफ चुनाव में भाइचुंग भूटिया का समर्थन करने का आग्रह किया।

हरतालिका तीज महोत्सव मना

मधु शर्मा

रिन्चेनपोंग, 30 अगस्त। सोरेंग जिलान्तर्गत रिन्चेनपोंग विधानसभा के कलुक सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में आज अखिल सिक्किम खस छेत्री बाहुन कल्याण संघ की रिन्चेनपोंग शाखा द्वारा हरतालिका तीज महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रभारी फुर्वा छिरिंग भूटिया मुख्य अतिथि थे। उनके साथ संघ की केंद्रीय समिति के अध्यक्ष नारायण खतिवाड़ा, जिलाध्यक्ष लक्ष्मीप्रसाद बिष्ट, सचिव मधु शर्मा, कौशल विकास बोर्ड अध्यक्ष बिनोद बस्नेत, जन स्वास्थ्य आभियांत्रिकी विभाग अध्यक्ष हरिनारायण सुबेदी, सोरेंग के अतिरिक्त जिलापाल धीरज सुबेदी, एसकेएम नारी मोर्चा प्रभारी प्रेम फुकी भूटिया के अलावा अन्य लोग भी मौजूद रहे।

संघ की ओर से बताया गया कि संस्कृत के दो शब्दों 'हरित' और 'आलिका' को मिलाकर ही हरतालिका शब्द बना है। इसमें हरित का मतलब हरण करने और आलिका का अर्थ साथी बनने से है। ऐसी मान्यता है कि निर्जल व्रत कर के ही माता पार्वती को वर स्वरूप भगवान महादेव की प्राप्ति हुई थी। ऐसे में हरतालिका तीज में अन्न-जल का त्याग कर व्रत कर महिलाएं अपने पति की दीर्घायु एवं कुशल मंगल की कामना करती हैं। बताया गया कि भाद्र शुक्ल तृतीया तिथि को मनाया जाने वाला तीज पर्व महिलाओं का महत्वपूर्ण पर्व है और

भाइचुंग से माफ मांगे मेनला इथेन्पा : भरत बस्नेत

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 30 अगस्त। सिक्किमे नागरिक समाज ने प्रसिद्ध फुटबॉलर तथा भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान पद्मश्री भाइचुंग भूटिया के खिलाफ सिक्किम फुटबॉल संघ के अध्यक्ष मेनला इथेन्पा द्वारा दिये गये अपमानजनक एवं गैरजिम्मेदाराना बयान की तीव्र निंदा की है। सिक्किमे नागरिक समाज के अध्यक्ष भरत बस्नेत ने एक विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि मेनला इथेन्पा के इस सिक्किम विरोधी वक्तव्य ने राज्य की गरिमा को ठेस पहुंचायी है। साथ ही उन्होंने इसके लिये माफी मांगने की मांग की है।

भरत बस्नेत ने कहा कि मेनला इथेन्पा ने अपने कथन से राज्य को आहत करने के साथ ही राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सिक्किम को अपमानित किया है। उनके इस घमंड से भरे तथा स्वार्थी बयान की सिक्किम के समाज में कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारे बीच कई मतभेद हो सकते हैं, लेकिन जब बात सिक्किम तथा यहां के लोगों की होती है तो हमें एकजुट होना चाहिये। इथेनपा को यह नहीं भूलना चाहिये कि भाइचुंग भूटिया हमारे गौरव होने के साथ ही सिक्किम के ही सपूत हैं।

समाज के अध्यक्ष भरत बस्नेत ने आगे कहा कि यदि मेनला इथेन्पा के पास राज्य के लिए थोड़ी सी भी भावना बची है तो उन्हें अपने इस गैरजिम्मेदाराना बयान के लिए अविलम्ब भाइचुंग भूटिया से माफी मांगनी चाहिये।

इसके साथ ही भरत बस्नेत ने राज्य के भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे मुख्य सचिव सुरेन्द्र चन्द्र गुप्ता के खिलाफ खड़े होने के लिए भारतीय जनता पार्टी की राज्य इकाई और सिक्किम रिपब्लिकन पार्टी

के प्रति आभार व्यक्त किया है। साथ ही संगठन की ओर से एक बार फिर मुख्य सचिव को उनके पद से हटाने की मांग भी की गयी है। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा नहीं होता है तो यह साबित हो जायेगा कि एसकेएम सरकार एक कमजोर सरकार है और वह भ्रष्ट एवं बेइमान नेताओं को बचा रही है।

गुमनाम स्वाधीनता सेनानी त्रिलोचन पोखरेल पर कार्यक्रम आयोजित

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 30 अगस्त। आजादी का अमृत महोत्सव के बैनर तले आजादी की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर सिक्किम के संस्कृति विभाग द्वारा पूर्वोत्तर अंचल संस्कृति केंद्र, डीमापुर के सहयोग से सिक्किम के गुमनाम स्वाधीनता सेनानी त्रिलोचन पोखरेल पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया। पाकिम के सामुदायिक केंद्र में आयोजित इस कार्यक्रम में सिक्किम कल्चरल हेरिटेज तथा कम्युनल हार्मोनी बोर्ड के चेयरमैन सोनम शेरपा मुख्य अतिथि थे।

इस अवसर पर अपने सम्बोधन में शेरपा ने कहा कि जब पूरा देश आजादी के लिए संघर्ष कर रहा था, तब सिक्किम के पाकिम के दूर-दराज इलाके तारेथांग निवासी त्रिलोचन पोखरेल गांधीजी के स्वतंत्रता आंदोलन की वकालत कर रहे थे। वहीं सिक्किम की एक अन्य बेटी हेलेन लेख्रचा ने भी स्वाधीनता आंदोलन की लड़ाई में भाग लिया। सोनम ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से हमें स्वाधीनता इतिहास के गुमनाम नायकों के बारे में जानने का अवसर प्राप्त होगा।

वहीं कार्यक्रम में डायनेमिक फ्लिकर्स डांस

अकादमी द्वारा आकर्षक देशभक्ति गीत का प्रदर्शन किया गया। उसके बाद दीपक शर्मा एवं ग्रुप ने त्रिलोचन पोखरेल पर शानदार प्रस्तुति दी। उल्लेखनीय है कि गांधीजी से काफी प्रभावित रहे त्रिलोचन पोखरेल को 'गांधी पोखरेल' के नाम से भी जाना जाता था। उन्होंने 1920 तथा 1930 के दौरान गांधीजी के असहयोग आंदोलन के अलावा कई अन्य आंदोलनों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। सूत्रों के अनुसार वह गुजरात के साबरमती और बिहार के सर्वोदय आश्रमों में गांधीजी के साथ रह भी चुके थे। वहां वे उनके साथ चरखा भी चलाते थे। गांधीजी से प्रभावित होकर वह खादी की धोती और खड़ाऊ पहनते थे।

सरकार गिराकर बेटे को सीएम बनाएंगे लालू : सुशील मोदी

पटना, 30 अगस्त (का.सं.)। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और भाजपा सांसद सुशील मोदी ने लालू यादव और नीतीश की नई सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि नीतीश कुमार की सरकार को लालू यादव ही गिराएंगे और अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाएंगे। सोमवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में ये बातें कही।

सुशील मोदी ने कहा कि लालू यादव जब चाहेंगे जदयू के चार-पांच विधायक को तोड़कर इधर-उधर कर सकते हैं। नीतीश कुमार जी को भरोसा नहीं है। उन्होंने दावा किया है कि जो स्थिति है उससे नीतीश की सरकार जाना तय है।

प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि राजद के साथ मिलकर सरकार बनाने के बाद नीतीश कुमार दबाव में आ गए हैं। यही कारण है कि बिहार में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का कार्य

शुरू हो गया है। दिल्ली के अखबार में समाचार प्रकाशित हुआ है कि अब बिहार में नए सिरे से किसी मामले की जांच के लिए सीबीआई को राज्य सरकार से अनुमति लेना होगा।

नड्डा की रैली के दौरान हिंसा, 25 बीजेपी कार्यकर्ता घायल

अगरतला, 30 अगस्त (एजेन्सी)। त्रिपुरा में भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच अकसर झड़प की खबरें आती रहती हैं। एक दिन पहले भी झड़प के चलते भाजपा के 25 कार्यकर्ता घायल हो गए। वे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की रैली में शामिल होने जा रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. मानिक साहा ने पुलिस को आदेश दिया है कि जो लोग भी इस घटना में शामिल थे उनकी पहचान करके कड़ी कार्रवाई की जाए चाहे वे किसी भी पार्टी के हों।

मुख्यमंत्री साहा गोविंद बल्लभ पंत अस्पताल में भर्ती घायल कार्यकर्ताओं से मिलने पहुंचे थे। उन्होंने कहा, यह बड़े ही शर्म की बात है कि जब भाजपा अध्यक्ष त्रिपुरा पहुंचे हैं तब ऐसी हिंसा की घटनाएं हो रही हैं। पहले भी ऐसा हो चुका हे। मैंने पुलिस से कड़ी कार्रवाई करने को कहा है। रैली से लौटते समय भी हमारे की कुछ कार्यकर्ता सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे। डॉक्टरों को उनका इलाज करने का आदेश दिया गया है।

नड्डा दो दिन के दौरे पर त्रिपुरा पहुंचे थे। उन्होंने राज्य के मंत्रियों, विधायकों और पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठकें कीं। इसके अलावा उन्होंने खुमुलवुंग में एक जनसभा को संबोधित किया। साहा भाजपा अध्यक्ष के साथ गुवाहाटी तक गए थे। वापस लौटने के बाद उन्होंने घायलों के हाल-खबर लिए।

राज्य में भाजपा अध्यक्ष सुब्रत चक्रवर्ती ने प्रद्योत किशोर देववर्मा की पार्टी को हिंसा के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए कहा, एक धड़ा यह दावा करता है कि पहाड़ी इलाकों में उसकी ही चलती है और इसलिए वह भाजपा अध्यक्ष की रैली में व्यवधान डालने की कोशिश कर रहा था।

सचिन पायलट को बनाया जाए सीएम : बैरवा

जयपुर, 30 अगस्त (एजेन्सी)। राजस्थान एससी आयोग के अध्यक्ष और कांग्रेस विधायक खिलाड़ी लाल बैरवा ने सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाने की मांग उठाई है।

कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का नाम चर्चा में है। इस बीच राजस्थान एससी आयोग के अध्यक्ष और कांग्रेस विधायक खिलाड़ी लाल बैरवा ने खुले तौर पर सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाने की मांग उठाई है।

उन्होंने कहा कि युवा समूह को आगे आने का मौका देने का यह बिल्कुल सही समय है। बैरवा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि अगर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पार्टी का अध्यक्ष बनाया जाता है तो यह उनके लिए बड़े सम्मान की बात है।

उन्होंने कहा, उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना चाहिए। साथ ही, सचिन पायलट को राज्य में मुख्यमंत्री बनाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को अब युवा पीढ़ी को मौका देना चाहिए। उन्होंने कहा, अब समय आ गया है कि दूसरी लाइन को आगे लाया जाए और मौका दिया जाए।

बैरवा यहीं नहीं रुके और कहा, जब सचिन पायलट मानेसर गए थे तो उनसे कुछ वादे किए गए थे, जिन्हें वापस ले लिया गया था। उस समय जो समस्याएं थीं, वो खत्म हो गई हैं। ऐसे में अब राजस्थान राज्य में सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाने में क्या दिक्कत है? इस फैसले को लेकर आलाकमान पर कोई दबाव नहीं होना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा, उदयपुर में जब चिंतन शिविर हुआ था तब हमारी नेता सोनिया गांधी ने कड़े स्वर में कहा था कि पार्टी ने आपको बहुत कुछ दिया है। अब पार्टी में लौटने का समय है। लेकिन अभी तो ऐसा कुछ नहीं लग रहा है। आज बीजेपी भाई-भतीजावाद को मुद्दा बना रही है। ऐसे में अगर सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने तय किया है कि वे गांधी परिवार से बाहर अध्यक्ष का चुनाव करें, तो मुझे नहीं लगता कि उन पर बार-बार दबाव डाला जाना चाहिए।

कर्नाटक हाईकोर्ट का फैसला, हुबली ईदगाह मैदान में ही होगा गणेश चतुर्थी उत्सव

बेंगलुरु, 30 अगस्त (एजेन्सी)। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मंगलवार को मुस्लिम संगठन की याचिका को खारिज करते हुए राज्य की एक नगर निकाय को हुबली के ईदगाह मैदान में गणेशोत्सव मनाने की अनुमति दे दी। अंजुमन-ए-इस्लाम ने हुबली-धारवाड़ नगर निगम (एचडीएमसी) द्वारा विवादित ईदगाह मैदान में गणेश प्रतिमा स्थापित करने की अनुमति के खिलाफ याचिका दायर की थी।

उच्च न्यायालय की धारवाड़ पीठ ने अपने आदेश में कहा कि नगर निकाय को रमजान और बकरी ईद पर नमाज की अनुमति देने के साथ ही गणेश की मूर्तियों की स्थापना के लिए मैदान देने का अधिकार है। जब मैदान एचडीएमसी के कब्जे और स्वामित्व में है, तो इसे दो दिन छोड़कर 363 दिन अन्य कामों के लिए देने का पूरा अधिकार है। इससे पहले, एचडीएमसी ने अपने हाउस पैनल द्वारा कानूनी विशेषज्ञों से परामर्श करने के बाद अनुमति मांगने पर मैदान में तीन दिनों के लिए गणेश की मूर्ति स्थापित करने की मंजूरी दे दी थी।

हाउस पैनल के कांग्रेस सदस्यों ने गणेश प्रतिमा की स्थापना पर आपत्ति जताई थी। इस बीच देश के नवनियुक्त मुख्य न्यायाधीश यू यू ललित द्वारा गठित तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने कर्नाटक वक्फ बोडर् की याचिका को कर्नाटक उच्च न्यायालय में वापस भेज दिया जिसने गणेशोत्सव के लिए बेंगलुरु के चामराजपेट क्षेत्र में ईदगाह मैदान के उपयोग की अनुमति दी थी।

आदेश में कहा गया है,आज तक यथास्थिति बनाए रखी जाएगी। एकल न्यायाधीश द्वारा मुद्दे उठाए जायेंगे। एसएलपी का निपटारा किया गया।'' कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली सेंट्रल मुस्लिम एसोसिएशन ऑफ कर्नाटक और कर्नाटक स्टेट बोर्ड ऑफ औकाफ (अपीलकर्ता) द्वारा दायर दो अपीलों पर न्यायालय सुनवाई कर रहा था।

सोनाली फोगाट: गोवा सरकार ने हरियाणा को गोपनीय रिपोर्ट सौंपी

पणजी, 30 अगस्त (एजेन्सी)। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने मंगलवार को कहा कि सोनाली फोगाट हत्याकांड की जांच निरीक्षक स्तर के अधिकारी द्वारा नहीं बल्कि पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) करेंगे।

सावंत ने यह भी कहा कि गोवा सरकार ने इस मामले की 'गोपनीय रिपोर्ट' हरियाणा के मुख्यमंत्री और डीजीपी को भेजी है।

उन्होंने कहा, 'हमने कल हरियाणा के मुख्यमंत्री और डीजीपी को गोपनीय रिपोर्ट भेजी है। अब से डीएसपी स्तर के अधिकारी यहां इस मामले की जांच करेंगे, पहले इसकी जांच निरीक्षक स्तर के अधिकारी द्वारा की जा रही थी।'

सावंत ने कहा कि मंगलवार को गोवा पुलिस की टीम आगे की जांच के लिए हरियाणा के लिए रवाना होगी। उन्होंने कहा, 'पुलिस गहनता से जांच कर रही है, इसके (प्रयासों) से अपराधी को पकड़ लिया जाएगा।'

सूत्रों ने बताया कि गोवा पुलिस इस मामले से जुड़े कुछ बयान हरियाणा में दर्ज करेगी।

सावंत ने सोमवार को कहा था कि मामले की पूरी जांच रिपोर्ट उनके हरियाणा समकक्ष और राज्य के डीजीपी को शाम तक भेज दी जाएगी।

फोगाट 22 अगस्त को गोवा आई थी और अंजुना के एक होटल में रुकी थी। उस रात उन्हें बेचैनी हुई और अगली सुबह, उन्हें अंजुना के सेंट एंथोनी अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

गोवा पुलिस के मुताबिक, फोगाट को मेथमफेटामाइन दिया गया था और अंजुना में कर्लीज रेस्तरां के एक वॉशरूम से दवा जब्त की गई है।

इस मामले में अब तक उनके कार्मिक सहायक सुधीर सांगवान और उनके दोस्त सुखविंदर सिंह समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

जजों के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायतों की जांच के लिए याचिका, सुप्रीम कोर्ट करेगा सुनवाई

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह न्यायिक अधिकारियों और वर्तमान तथा सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायतों की जांच के लिए प्रणाली बनाने की एक याचिका पर 15 नवंबर को सुनवाई करेगा। न्यायमूर्ति एस के कौल की अध्यक्षता वाली पीठ ने शीर्ष अदालत के महासचिव से इस मामले के संबंध में न्यायपालिका द्वारा अपनाई जाने वाली मौजूदा प्रणाली पर उनका रुख रखने को कहा।

याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ वकील इंदिरा जयसिंह ने अदालत से कहा कि वह मामले में कुछ अतिरिक्त सामग्री रखना चाहती हैं। पीठ में न्यायमूर्ति ए एस ओका और न्यायमूर्ति विक्रमनाथ भी शामिल रहे।

पीठ ने मामले में निर्देश देने के लिए 15 नवंबर की तारीख तय की। जयसिंह ने पीठ से कहा कि शीर्ष अदालत ने याचिका में एक आवेदन पर पहले नोटिस जारी किया था। उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि शीर्ष अदालत के महासचिव इस मुद्दे पर अदालत के समक्ष अपना रुख रखें।

जयसिंह ने पीठ को बताया कि शीर्ष अदालत ने पहले याचिका में एक प्रार्थना पर नोटिस जारी किया था। वरिष्ठ वकील ने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि शीर्ष अदालत के महासचिव इस मुद्दे पर अदालत के समक्ष अपना पक्ष रखें। पीठ ने शीर्ष अदालत के महासचिव की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि वह कह रही हैं कि जहां तक तंत्र का संबंध है, मामले में कुछ प्रगति हुई है। पीठ ने कहा कि आपको उनके अनुसार, आप जिस तंत्र का पालन करते हैं उसे भी रिकॉर्ड में रखना होगा।

शीर्ष अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता के वकील ने कहा है कि याचिका में प्रतिवादियों में से दो को पार्टियों के समूह से हटाया जा सकता है क्योंकि उनके खिलाफ किसी राहत का दावा नहीं किया गया है।

बाबरी विध्वंस और गुजरात दंगों से जुड़े कई मामलों को सुप्रीम कोर्ट ने किया बंद

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बड़ा फैसला लेते हुए बाबरी मस्जिद विध्वंस और गुजरात दंगों से जुड़े मामलों को बंद करने का आदेश दिया है। अदालत ने कहा कि गुजरात दंगों को लेकर दायर कई याचिकाओं का अब कोई अर्थ नहीं है। ऐसे में उन पर कार्यवाही को बंद किया जा रहा है। अदालत ने कहा कि गुजरात दंगों के 9 में से 8 मामलों में ट्रायल पूरा हो चुका है। इसके अलावा कोर्ट ने बाबरी मस्जिद विध्वंस से जुड़े अवमानना के मामले को भी बंद करने का आदेश दिया है।

दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने बाबरी मस्जिद विध्वंस मामले में अधिवक्ता प्रशांत भूषण और पत्रकार तरुण तेजपाल के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही को बंद करने का आदेश दिया है।

दोनों ने ही इस मामले में माफी मांग ली है। दरअसल प्रशांत भूषण ने 2009 में एक इंटरव्यू में पूर्व और मौजूदा जजों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। इस मामले में पैरवी करते हुए कपिल सिब्बल ने कहा कि प्रशांत भूषण और तरुण तेजपाल ने माफी मांग ली है। इसलिए दोनों के खिलाफ केस को बंद किया जा सकता है। उनकी इस मांग को जस्टिस इंदिरा बनर्जी, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एम.एम सुंदरेश की बेंच ने स्वीकार कर लिया।

प्रशांत भूषण और तरुण तेजपाल को नवंबर 2009 में नोटिस जारी किए गए थे। प्रशांत भूषण ने इस पर सफाई देते हुए कहा था, 'मैंने तहलका को 2009 में जो इंटरव्यू में दिया था, उसमें करख्शन शब्द का इस्तेमाल किसी विशेष चीज के लिए नहीं किया था। यह बात मैंने व्यापक संदर्भ में कही थी। इसका संबंध वित्तीय भ्रष्टाचार से नहीं है। यदि किसी जज या फिर उनके परिवार को इससे दुख पहुंचा हो तो मैं इसके लिए माफी मांगता हूं।' प्रशांत भूषण ने अगस्त 2020 में अपने बयान पर माफी मांग ली थी।

फसल बीमा योजना में घोटाला करने वाला बैंक कर्मी गिरफ्तार, दो करोड़ के घोटाले का लगा आरोप

उन्नाव, 30 अगस्त (एजेन्सी)। उन्नाव के सिविल लाइन के रहने वाले एक बैंक कर्मी को लखनऊ की आर्थिक अपराध अनुसंधान शाखा (ईओडब्लू) टीम ने मंगलवार सुबह घर से गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि बैंक कर्मी जब सर्विस में था, तब उसने दो करोड़ का भ्रष्टाचार किया था। मामला प्रकाश में आने के बाद उसे नौकरी से हटा दिया गया था। जानकारी के मुताबिक सदर कोतवाली क्षेत्र के सिविल लाइन के विनोद कुमार बांदा के जसपुरा में इलाहाबाद बैंक में सहायक मैनेजर के पद पर 2017 में तैनात थे। उसी दौरान ब्रांच में संदीप नायक मैनेजर थे।

सरकार द्वारा आई फसल बीमा योजना की धनराशि का बैंक के पांच कर्मियों ने दो बाहरी व्यक्तियों के साथ मिलकर घोटाला किया था। मामले की जांच हुई तो फर्जीवाड़ा सामने आया। इसके बाद जसपुरा थाने में बैंक कर्मियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया।

मुकदमा लखनऊ के आर्थिक अपराध अनुसंधान शाखा ट्रांसफर कर दिया गया। जांच के दौरान घोटाले में बैंक कर्मियों की संलिप्तता पाई गई। रिपोर्ट के आधार पर घोटाले में शामिल पांचों बैंक कर्मियों को बर्खास्त कर दिया गया। उधर, बांदा के ही दो बाहरी व्यक्तियों को भी टीम ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मंगलवार को ईओडब्ल्यू इंस्पेक्टर गोविंदा अपने हमराही राजकुमार के साथ उन्नाव पहुंचे और विनोद को घर से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद बैंक कर्मी को जिला अस्पताल में मेडिकल जांच के बाद लखनऊ लेकर रवाना हो गए।

मछुआरों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को ऊपर उठाएगा एफएफपीओ:यशा

साम्बा, 30 अगस्त (एजेन्सी)। राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी), सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने केंद्रीय क्षेत्र की योजना प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के तहत मत्स्य पालन विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रचारित मछली किसान उत्पादक संगठनों (एफएफपीओ) पर केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के सहकारी विभाग और मत्स्य विभाग के सहयोग से विजयपुर एक प्रशिक्षण-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया है। इस कार्यक्रम में लगभग 100 मछली किसानों/मछुआरों ने भाग लिया।

एनसीडीसी के क्षेत्रीय निदेशक लेफ्टिनेंट कर्नल आशीष मोहन अग्रवाल ने इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों और मेहमानों का स्वागत किया और एनसीडीसी की विभिन्न योजनाओं की रूपरेखा तैयार की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सहकारिता विभाग की सचिव यशा मुदगल ने अपने संबोधन में आशा जताई कि इस योजना में गठित एफएफपीओ एक मील का पत्थर स्थापित करेंगे और यूटी में मछुआरों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को ऊपर उठाएंगे।

रजिस्ट्रार (सहकारी समितियों) शफकत इकबाल ने रेखांकित किया है कि एफएफपीओ सहकारी समितियां मछुआरे समुदाय के बीच मत्स्य विकास के लिए एक उदाहरण स्थापित करेंगी और उनके लिए स्थायी आय का स्रोत होंगी। उप निदेशक, एनसीडीसी विवेक त्रिपाठी ने एफएफपीओ योजना के बारे में जानकारी दी और इस योजना की विशेषताओं, उद्देश्यों और लाभों पर प्रकाश डाला। सब रजिस्ट्रार, सहकारी समितियाँ, साम्बा श्रुति शर्मा ने सहकारी समितियों की ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया के बारे में बताया। सहायक निदेशक, मत्स्य पालन विभाग भारत भूषण ने जम्मू संभाग में मत्स्य संरचना का वर्णन किया है।

कृषि विज्ञान केन्द्र साम्बा के प्रमुख डॉ. संजय खजूरिया और निधि पठानिया ने एफएफपीओ सहकारी समितियों के लिए व्यवसाय योजना प्रस्तुत की है। इस अवसर पर, जम्मू-कश्मीर डेयरी उत्पादक प्रोसेसर और मार्केटिंग कॉप यूनियन लिमिटेड (जेकेडीसीयूएल) के अध्यक्ष विक्रांत डोगरा और एनसीडीसी, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के सहकारी और मत्स्य विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम में साम्बा जिले की नई ऑनलाइन पंजीकृत सहकारी समितियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।

पढ़ाई के साथ-साथ शारीरिक विकास और फिटनेस के लिए खेल अत्यंत आवश्यक : सुभाष चंद्र नायक

गणेश सिंह 'विशाल'

सिंगरौली, 30 अगस्त । वीवा क्लब एनटीपीसी विंध्यनगर में जिला स्तरीय रस्सी कूद और रोलर स्केटिंग प्रतियोगता आयोजित हुई। प्रतियोगता का आयोजन ऊर्जांचल स्केटिंग एसोसिएशन सिंगरौली एवं वीवा क्लब एनटीपीसी विंध्यनगर के संयुक्त तत्वाधान में हुआ रहा। सह-प्रायोजक लायंस क्लब ऑफ मोरवा रहा।

मुख्य अतिथि एनटीपीसी विंध्याचल परियोजना प्रमुख सुभाष चंद्र नायक रहे। वही विशिष्ट अतिथि के रूप में ऑपरेशन एवं अनुरक्षण महाप्रबंधक सत्यफनी कुमार एवं सुरक्षा विभाग के प्रमुख उप महाप्रबंधक आशीष कुमार अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। सर्वप्रथम वीवा क्लब के महासचिव सौरभ कुमार ने पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का स्वागत किया। इस अवसर पर रस्सी कूद एवं स्केटिंग के स्पर्धा विभिन्न आयु वर्ग में आयोजित किया गया। जिसमें ऐतिहासिक सफलता अर्जित करते हुए एनटीपीसी विंध्यानगर वीवा क्लब की टीम ने 26 स्वर्ण पदक के साथ ओवरऑल चैंपियनशिप पर कब्जा जमाया। वही 16 स्वर्ण पदक के साथ सिंगरौली टीम ने उप चैंपियनशिप पर कब्जा जमाया।

सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड पर विंध्यनगर के प्रत्यूष नायक एवं विंध्यनगर की तविशा मिश्रा का कब्जा रहा। इस अवसर पर स्केटिंग के बच्चों ने कई हैरतअंगेज प्रदर्शन कर जमकर तालियां बटोरी। कार्यक्रम का संचालन स्पोर्ट्स कमेटी सदस्य अभिषेक पांडेय एवं मार्शल आर्ट एकेडमी की निर्देशक गणेश सिंह 'विशाल' ने संयुक्त रूप से किया।

मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में बच्चों के लिए इस तरह प्रतियोगता आयोजन के लिए ऊर्जांचल स्केटिंग एसोसिएशन और वीवा क्लब की सराहना की। बच्चों द्वारा किए गए स्केटिंग सामूहिक नृत्य में बच्चों की जुगलबंदी और उनकी एकाग्रता, संतुलन की प्रशंसा की। मुख्य अतिथि श्री नायक ने अपने उद्बोधन में कहा कि पढ़ाई के साथ साथ शारीरिक विकास और फिटनेस के लिए खेल अत्यंत आवश्यक है।

निर्णायक मंडल में श्रुति क्षेत्री, खुशबू साकेत, एंडलीब मिर्जा, विशाखा सिंह, प्रीति ज्योति, मुकेश साकेत प्रमुख रूप से रहे।

इस अवसर पर वीवा क्लब के संयुक्त सचिव बाबू जी शर्मा, नागोराव माथनकर,अंजनी कुमार, दिनेश मीणा, सुनील गहलोत, बीएमएस यूनियन के महासचिव रामजी अवस्थी सहित भारी संख्या में अभिभावकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

क्या थरूर होंगे कांग्रेस अध्यक्ष पद के उम्मीदवार? पार्टी ने कहा- कोई भी लड़ सकता है चुनाव

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेन्सी)। शशि थरूर के कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ने पर विचार करने के बीच पार्टी ने कहा कि इस पद के लिए कोई भी चुनाव लड़ सकता है। सूत्रों के मुताबिक, थरूर कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ने की संभावना तलाश रहे हैं। हालांकि उन्होंने अभी इस पर अंतिम फैसला नहीं किया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपना मन नहीं बनाया है, लेकिन जल्द ही इस पर फैसला ले सकते हैं।

इस संबंध में कांग्रेस प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने कहा, मुझे ऐसा कुछ भी पता नहीं है, लेकिन मैं समझता हूं कि हमने अपने चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की और नामांकन, मतगणना और परिणाम दाखिल करने की तारीखें दीं। चुनाव कार्यक्रम में सभी तारीखों का जिक्र किया गया है। इसलिए यदि कोई ऐसा करना चाहता है, तो तारीखें हैं। मैं इस पर और कुछ नहीं कहना चाहता। तारीखें हैं, कांग्रेस का संविधान है। भाजपा पर आरोप लगाते हुए कि इस तरह की नियुक्ति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर निर्भर करती है, उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास ऐसी प्रणाली नहीं है जहां 1.5 लोग 0.5 अध्यक्ष का चुनाव करते हैं।

उन्होंने कहा, मैं आपके माध्यम से पूछना चाहता हूं कि भाजपा में चुनाव कब हुए थे? इसका संविधान चुनावों के बारे में क्या कहता है? हमने तारीखों की घोषणा की है, हमारे पास सभी विवरणों के साथ एक संविधान है। लेकिन भाजपा में चुनाव कब हुए? कौन सा चुनाव क्या नड्डा जी लड़े? अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, लालकृष्ण आडवाणी ने कौन सा चुनाव लड़ा था?

पार्टी के अध्यक्ष पद के चुनाव के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर ने कहा, लोग जैसा चाहें अनुमान लगाने के लिए स्वतंत्र हैं। मैंने अपने लेख में केवल इतना लिखा है कि चुनाव पार्टी के लिए अच्छी बात है, मैंने कोई घोषणा नहीं की है। मैं इस तथ्य का स्वागत करता हूं कि कांग्रेस पार्टी ने चुनाव की घोषणा की है और इसे खुले तौर पर स्वतंत्र रूप से और निष्पक्ष रूप से आयोजित करने जा रही है। प्रक्रिया कुछ सप्ताह दूर है, कुछ समय प्रतीक्षा करें और देखें कि आगे क्या होता है।

राज्य की राजनीति में उतरने की अपनी योजना पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर ने कहा कि सभी विकल्प खुले हैं। मैं एक लोकसभा सांसद हूं। राजनीति में मेरा ध्यान अब तक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रहा है। अगर किसी दिन विकल्प खुल जाते हैं, कोई इनकार नहीं करना चाहता।

हालांकि थरूर ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि क्या वह मैदान में उतरेंगे। उन्होंने मलयालम दैनिक 'मातृभूमि' के लिए एक लेख लिखा है जिसमें स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव का आह्वान किया गया है।

लेख में उन्होंने कहा कि पार्टी की वर्तमान स्थिति, मौजूदा संकट और राष्ट्रीय तस्वीर को देखते हुए जो कोई भी अध्यक्ष बनता है, उसे निस्संदेह कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और मतदाताओं को प्रेरित करने के दोहरे लक्ष्यों को प्राप्त करना होगा। थरूर ने कहा कि उनके पास पार्टी की समस्याओं को ठीक करने की योजना होनी चाहिए, साथ ही साथ भारत के लिए एक विजन भी होना चाहिए। आखिरकार, एक राजनीतिक दल देश की सेवा करने का एक साधन है, न कि अपने आप में एक लक्ष्य।

उन्होंने कहा कि किसी भी तरह से एक स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया इस मुद्दे को सुलझाने का एक स्वस्थ तरीका होगा। यह आने

वाले अध्यक्ष को दिए जा रहे जनादेश को वैध करेगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में जहां पार्टी ने आंतरिक चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा की, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव संगठन के सी वेणुगोपाल ने कहा कि कोई भी चुनाव लड़ सकता है। यह एक खुला चुनाव है। 2019 के संसदीय चुनावों में पार्टी को लगातार दूसरी हार का सामना करने के बाद राहुल गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था।

सीबीआई को बैंक लॉकरो से कुछ नहीं मिला : मनीष सिसोदिया

'बच्चा चोर' पार्टी हम पर उठा रही अंगुली

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेन्सी)। बैंक लॉकर की जांच के बाद विधानसभा पहुंचे दिल्ली के डिप्टी मनीष सिसोदिया बीजेपी पर जमकर बरसे। सिसोदिया ने बीजेपी को बच्चा चोर पार्टी करार दिया।

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को दावा किया कि उनके परिवार को 'क्लीन चिट' मिल गई है क्योंकि उनके घर और उनके बैंक लॉकर में कुछ भी नहीं मिला। सीबीआई ने मंगलवार सुबह गाजियाबाद के एक बैंक में सिसोदिया के बैंक लॉकर की तलाशी ली।

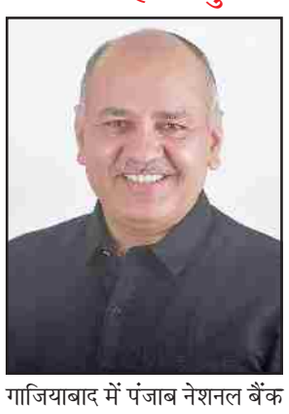

गाजियाबाद में पंजाब नेशनल बैंक की शाखा में उनके लॉकर की तलाशी ली थी।

मनीष सिसोदिया ने एक बच्चे के कथित अपहरण मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक पार्षद की गिरफ्तारी का मंगलवार को दिल्ली विधानसभा में जिक्र करते हुए भाजपा को बच्चा चोर पार्टी करार दिया।

सिसोदिया ने यह भी कहा कि झूठी खबर फैलायी गई कि सीबीआई की तलाशी के दौरान उनके लॉकर से संपत्ति के कागजात मिले थे।

सिसोदिया ने कहा, हमने विपक्ष के सभी सवालों का जवाब दिया है। हम उनके झूठ का जवाब नहीं दे सकते। सीबीआई को लॉकर में मेरे बेटे के 'झुनझुना' (एक खिलौना) सहित केवल 70,000 रुपये से 80,000 रुपये का सामान मिला है। सिसोदिया ने सदन में विपक्षी विधायकों के हंगामे के बीच यह बात कही।

सीबीआई के चार सदस्यीय एक दल ने गाजियाबाद के वसुंधरा स्थित पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की शाखा में सिसोदिया के बैंक लॉकर की आज यानी मंगलवार को करीब दो घंटे तलाशी ली।

सिसोदिया और उनकी पत्नी उस समय मौजूद थे जब सीबीआई की चार सदस्यीय टीम ने वसुंधरा, तलाशी खत्म होने के बाद सिसोदिया ने पत्रकारों से कहा कि सीबीआई दबाव में काम कर रही है।

सिसोदिया ने पत्रकारों से कहा, मुझे खुशी है कि मुझे आज तलाशी में सीबीआई से क्लीन चिट मिली। उन्हें मेरे लॉकर या आवास की तलाशी से कुछ भी ऐसा नहीं मिला जिससे कानून का उल्लंघन होता हो।

आम आदमी पार्टी (आप) के नेता दिल्ली सरकार की आबकारी नीति 2021-22 के कार्यान्वयन में कथित अनियमितताओं के संबंध में एजेंसी द्वारा दर्ज प्राथमिकी में नामित 15 लोगों और संस्थाओं में शामिल हैं।

हंगामा जारी रहने के बीच विधानसभा उपाध्यक्ष राखी बिड़ला ने विपक्ष के नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी को छोड़कर भाजपा के सभी विधायकों को मार्शल की मदद से सदन से बाहर भेज दिया। बाद में बिधूड़ी ने भी विरोध में सदन से बहिर्गमन किया।

सिसोदिया छह दिन पहले मथुरा जंक्शन के एक प्लेटफार्म से चोरी हुए सात महीने के बच्चे की बरामदगी के सिलसिले में भाजपा पार्षद और सात अन्य की गिरफ्तारी का जिक्र कर रहे थे।

पीएम मोदी 2 सितम्बर को पहला स्वदेशी पोत आईएनएस विक्रांत को हरी झंडी दिखाएंगे

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री मोदी 1 और 2 सितंबर को कर्नाटक और केरल का दौरा करेंगे। इस दौरान वह कोच्चि के कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड में भारत के पहले स्वदेश निर्मित विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत को हरी झंडी दिखाएंगे।

1 सितंबर की शाम को, वह कोचीन हवाईअड्डे के पास कलाडी गांव में आदि शंकराचार्य के पवित्र जन्मस्थान श्री आदि शंकर जन्मभूमि क्षेत्र का दौरा करेंगे।

प्रधानमंत्री 2 सितंबर को सुबह 9.30 बजे कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड में पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत चालू करेंगे। इसके बाद दोपहर में प्रधानमंत्री मंगलुरु में करीब 3800 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में कहा कि मोदी विशेष रूप से रणनीतिक क्षेत्रों में आत्मनिर्भर भारत के प्रबल समर्थक रहे हैं।

पीएमओ ने कहा, 'रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री आईएनएस विक्रांत के रूप में पहले स्वदेशी डिजाइन और निर्मित विमान वाहक को चालू करेंगे। भारतीय नौसेना के इन-हाउस युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो (डब्लूडीबी) द्वारा डिजाइन और कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा निर्मित, बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय के तहत एक सार्वजनिक क्षेत्र का शिपयार्ड विक्रांत को अत्याधुनिक ऑटोमेशन सुविधाओं के साथ बनाया गया है और यह भारत के समुद्री इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा जहाज है।' स्वदेशी विमान वाहक का नाम इसके शानदार पूर्ववर्ती, भारत के पहले विमान वाहक के नाम पर रखा गया है, जिसने 1971 के युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसमें बड़ी संख्या में स्वदेशी उपकरण और मशीनरी हैं, जिसमें देश के प्रमुख औद्योगिक घरानों के साथ-साथ 100 से अधिक एमएसएमई शामिल हैं। विक्रांत के चालू होने के साथ, भारत के पास दो ऑपरेशनल एयरक्राफ्ट कैरियर होंगे, जो देश की समुद्री

सुरक्षा को मजबूत करेंगे।

मंगलुरु में प्रधानमंत्री करीब 3,800 करोड़ रुपये की मशीनीकरण और औद्योगीकरण परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।

प्रधानमंत्री न्यू मैंगलोर पोर्ट अथॉरिटी द्वारा शुरू किए गए कंटेनरों और अन्य कार्गो को संभालने के लिए बर्थ नंबर 14 के मशीनीकरण के लिए 280 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजना का उद्घाटन करेंगे।

प्रधानमंत्री बंदरगाह द्वारा शुरू की गई करीब 1,000 करोड़ रुपये की पांच परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। अत्याधुनिक क्रायोजेनिक एलपीजी स्टोरेज टैंक टर्मिनल से लैस एकीकृत एलपीजी और बल्क लिक्विड पीओएल सुविधा अत्यधिक कुशल तरीके से 45,000 टन के लोड वीएलजीसी (बहुत बड़े गैस वाहक) को उतारने में सक्षम होगी।

प्रधानमंत्री मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड द्वारा शुरू की गई दो परियोजनाओं- बीएस 6 अपग्रेडेशन प्रोजेक्ट और सी वाटर डिसेलिनेशन ख़लांट का भी उद्घाटन करेंगे।

दुमका की अंकिता के दोषियों को मिले सजा : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेन्सी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने झारखंड के दुमका में एक लड़की को जिंदा जलाने वाले अपराधियों को कड़ी सजा देने की मांग की है।

राहुल गांधी ने मंगलवार को हिंदी में ट्वीट किया, 'अंकिता के साथ किए गए बर्बर व्यवहार और उसकी मौत ने हर भारतीय का सिर शर्म से झुका दिया है, उसे और उसके परिवार को न्याय तभी मिलेगा, जब अपराध करने वालों को जल्द से जल्द कड़ी सजा मिलेगी।'

उन्होंने कहा, 'आज का समय महिलाओं के लिए माहौल को सुरक्षित बनाने का है।'

12वीं कक्षा की छात्रा अंकिता को एक युवक परेशान कर रहा था। अंकिता ने जब युवक को ठुकरा दिया और उसके परिवार से उसकी शिकायत कर दी, उसके बाद युवक ने उस पर पेट्रोल फेंककर उसे जिंदा जला दिया।

गंभीर रूप से झुलसी हुई अंकिता ने शनिवार देर रात अंतिम सांस ली। उससे पहले उसने रांची के रिम्स में पांच दिनों तक जिंदगी के लिए संघर्ष किया। दुमका में सोमवार सुबह उसका अंतिम संस्कार किया गया। इस घटना के विरोध में झारखंड की उपराजधानी दुमका शहर दूसरे दिन भी बंद रहा।

अंकिता को आग लगाने वाला आरोपी शाहरुख अब जेल में है, लेकिन लोग सड़कों पर उतरकर उसे जल्द से जल्द कड़ी सजा देने की मांग कर रहे हैं। इस घटना को लेकर सोशल मीडिया पर कैंपेन भी चल रहा है। ट्विटर पर हैशटैग 'अंकिता हम शर्मिंदा हैं' ट्रेंड कर रहा है।

झारखंड सरकार ने त्वरित कार्रवाई के लिए एसआईटी का गठन किया है। लोग इस बात से भी नाराज हैं कि जब अंकिता अस्पताल में मौत से जूझ रही थी तो किसी भी सरकारी प्रतिनिधि ने उसकी और उसके परिवार वालों की सुध नहीं ली। मौत से पहले अंकिता के बयान का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह कह रही है कि उसे जलाने वाला शाहरुख जेल जा चुका है, लेकिन फिर भी उसके लोग अंकिता के परिवार वालों को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं।

गुलाम नबी आजाद के समर्थन में कांग्रेस के 64 नेताओं ने पार्टी से दिया इस्तीफा

जम्मू, 30 अगस्त (एजेन्सी)। जम्मू कश्मीर के पूर्व उपमुख्यमंत्री ताराचंद सहित केंद्र शासित प्रदेश में कांग्रेस के करीब 64 वरिष्ठ नेताओं ने गुलाम नबी आजाद के समर्थन में मंगलवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया।

इन नेताओं ने अपना संयुक्त त्याग पत्र कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को भेजा है।

यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में ताराचंद, पूर्व मंत्री अब्दुल माजिद वानी, मनोहर लाल शर्मा, घरु राम और पूर्व विधायक बलवान सिंह सहित अन्य नेताओं ने कांग्रेस से अपने इस्तीफे की घोषणा की।

गौरतलब है कि जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद (73) ने कांग्रेस से अपना नाता तोड़ लिया। वह पार्टी से पांच दशक तक जुड़े रहे। उन्होंने दावा किया था कि पार्टी व्यापक रूप से नष्ट हो चुकी है। आजाद ने इसके पूरे परामर्श तंत्र को कथित तौर पर ध्वस्त करने के लिए राहुल गांधी की आलोचना की थी।

बलवान सिंह ने संवाददाता सम्मेलन में त्याग पत्र पढ़ते हुए कहा, हम दशकों से पार्टी से जुड़े हुए थे और अपनी पूरी ऊर्जा और संसाधन जम्मू कश्मीर में पार्टी का विस्तार करने में लगाया, लेकिन दुर्भाग्य से हमने पाया कि जिस तरह का व्यवहार किया जा रहा है वह अपमानजनक है। इस पत्र पर कांग्रेस की जम्मू कश्मीर इकाई के 64 नेताओं और वरिष्ठ पदाधिकारियों ने हस्ताक्षर किए हैं।

पत्र में कहा गया है,हमारे नेता और पथप्रदर्शक गुलाम नबी आजाद ने आपको (सोनिया गांधी को) लिखे पत्र में मुद्दों को गिनाते हुए पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। हमारा मानना है कि हमें भी कांग्रेस से बाहर चले जाना चाहिए ताकि एक सकारात्मक राजनीतिक समाज निर्मित करने में कुछ उपयोगी योगदान दे सकें, जहां लोगों की बात सुनी जाए और जवाब भी दिया जाए।

आजाद ने घोषणा की है कि वह जल्द ही वह जम्मू कश्मीर में एक पार्टी गठित करेंगे जो राष्ट्रीय स्तर की होगी।

पार्टी की प्रदेश इकाई के नेताओं ने इस्तीफा पत्र में कहा, हम सभी आजाद का समर्थन करते हैं और जम्मू कश्मीर को उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाने में उनके साथ होंगे।

बलवान सिंह ने दावा किया कि एक निर्वाचित सरकार की अनुपस्थिति में जम्मू कश्मीर अभूतपूर्व संकट का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि आजाद का यहां से राष्ट्रीय स्तर की पार्टी गठित करने के फैसले से सभी के लिए चीजों को ठीक करने की प्रेरणा मिलेगी।

उन्होंने कहा, हमें भरोसा है कि जम्मू कश्मीर एक बार फिर से आजाद के नेतृत्व में पूर्ण राज्य का दर्जा वापस प्राप्त करने में सफल होगा।

बलवान सिंह ने कहा कि आजाद लोगों के लिए जम्मू कश्मीर में क्षेत्रों और समुदायों के बीच

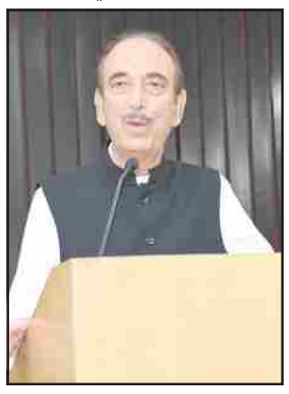

दूरी मिटाने की एकमात्र उम्मीद हैं।

उन्होंने कहा, हम आश्वस्त हैं कि उनके (आजाद के) दृष्टिकोण से जम्मू कश्मीर के लोगों को एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने में मदद मिलेगी।

आजाद के समर्थन में पहले ही पूर्व मंत्री और विधायकों सहित कांग्रेस के करीब एक दर्जन प्रमुख नेता पार्टी छोड़ चुके हैं। इनके अलावा सैकड़ों पंचायती राज संस्थाओं के सदस्यों, नगर निकाय पार्षदों, जिला और ब्लॉक स्तर के नेताओं ने भी आजाद का समर्थन करते हुए पार्टी छोड़ दी है।

एनसीआरबी 2021 रिपोर्ट: दंगामुक्त हुआ योगी का उत्तर प्रदेश लेकिन महिलाओं के खिलाफ क्राइम में सबसे आगे

लखनऊ, 30 अगस्त (एजेन्सी)। नेशनल क्राइम रिकार्ड के आंकड़ों के मुताबिक उत्तर प्रदेश दंगा मुक्त प्रदेश हो गया है। प्रदेश में अन्य राज्यों की तुलना में सांप्रदायिक हिंसा की घटनाएं करीब-करीब खत्म हो गई हैं। लेकिन महिलाओं के प्रति अपराध में सबसे आगे है। महिलाओं के प्रति अपराध के सबसे ज्यादा 56083 केस हुए हैं।

प्रदेश में सांप्रदायिक हिंसा की सिर्फ एक घटना हुई, जबकि अन्य राज्यों में सांप्रदायिक हिंसा का ग्राफ कहीं ज्यादा रहा। सांप्रदायिक हिंसा की झारखंड में 77, बिहार में 51, हरियाणा में 40 घटनाएं सामने आएं। देश में महाराष्ट्र सबसे ज्यादा सांप्रदायिक हिंसा से प्रभावित रहा। वहां 378 केस सामने आए।

प्रदेश के अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी और एडीजी कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि देश में आईपीसी के कुल 36 लाख 63 हजार 360 मामले दर्ज हुए। यूपी में आईपीसी के 3.57 लाख केस दर्ज हुए, जो एक लाख की जनसंख्या पर 154.5 फीसदी है और देश में यूपी 23वें स्थान पर है। प्रदेश में एसिड अटैक की कुल 22 घटनाएं हुईं और अपहरण की 50 घटनाएं हुईं। इन दोनों अपराधों में राज्य 36वें स्थान पर है।

एडीजी कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों में भी सुधार हुआ है। बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराध में प्रदेश 28वें स्थान पर और पाक्सो एक्ट के मामले में 6.3 क्राइम रेट के साथ 21वें स्थान पर रहा। महिलाओं के विरुद्ध अपराध में 16वें स्थान पर है। दुराचार के 2845 मुकदमों के साथ राज्य 23वें स्थान पर रहा जबकि शीलभंग के अपराध में राज्य 19वें स्थान पर है।

प्रशांत कुमार ने कहा कि लगातार कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर की जा रही कड़ी कार्रवाई का नतीजा है कि राज्य में हत्या के मामलों में लगातार कमी आ रही है। हत्या के राज्य में कुल 3717 अपराध घटित हुए, जिसका क्राइम रेट 1.6 रहा और राज्य 24वें स्थान पर रहा। पुलिस की लगातार गश्त बढ़ने और पीआरवी की सक्रियता के चलते चोरी की घटनाएं बहुत कम हुईं और राज्य 33वें स्थान पर रहा।

वहीं डकैती का रेट .1 फीसदी रहा और प्रदेश 29वें स्थान पर रहा। जबकि लूट की घटनाओं में 25वें स्थान पर है। यही नहीं राज्य पुलिस ने विभिन्न मुकदमों में 129.4 करोड़ रुपये की संपत्ति भी जब्त की।

अन्ना का केजरीवाल को खत- आप भी सत्ता के नशे में चूर

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेन्सी)। दिल्ली की आबकारी नीति को लेकर जारी विवाद के बीच सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखा है।

समाज सुधारक और भ्रष्टाचार विरोधी कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने मंगलवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने दिल्ली की आबकारी नीति की आलोचना करते हुए और सत्ता के नशे में चूर होने का आरोप लगाते हुए अपनी पुस्तक 'स्वराज' की कुछ पंक्तियों को याद दिलाया।

केजरीवाल ने राजनीति में आने से पहले 2012 में 'स्वराज' पुस्तक लिखी थी।

उन्होंने कहा, 'राजनीति में कदम रखने से पहले आपने 'स्वराज' किताब लिखी थी। उसकी प्रस्तावना मुझसे लिखवाई। आपने किताब में ग्रामसभा और शराब नीति का बखान किया था। आपने जो कुछ भी लिखा था वह आपको याद दिलाना चाहता हूं।

हजारे ने पत्र में आगे कहा, ''आपने किताब में काफी आदर्श बातें लिखी थी, और मुझे आपसे काफी उम्मीदें थीं।''

लेकिन, ऐसा लगता है कि आप राजनीति में आने और मुख्यमंत्री बनने के बाद उन शब्दों को भूल गए हैं। आपने जो नई आबकारी नीति बनाई है, वह शराब की लत की आदत को बढ़ावा देती है। इस नीति से राज्य के कोने-कोने में शराब की दुकानें खुल रही हैं। नतीजतन, यह भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे सकता है जो जनता के पक्ष में नहीं है, लेकिन आपने ऐसी नीति लाने का फैसला किया है।

अन्ना हजारे ने पत्र में कहा, जिस प्रकार शराब का नशा होता है, उसी प्रकार सत्ता का भी नशा होता है। आप भी ऐसी सत्ता के नशे में डूब गए हो, ऐसा लग रहा है।

केजरीवाल को 18 सितंबर, 2012 को हुई टीम अन्ना की बैठक की याद दिलाते हुए हजारे ने कहा, आप भूल गए कि राजनीतिक दल बनाना हमारे आंदोलन का इरादा नहीं था।

उन्होंने कहा, दिल्ली आबकारी नीति को देखकर लगता है कि ऐतिहासिक आंदोलन को खत्म कर जो पार्टी बनी थी, वह उसी रास्ते पर चली गई है, जिस पर अन्य दल चल रहे हैं, जो बेहद खेदजनक बात है।

मैं यह पत्र इसलिए लिख रहा हूं कि हमने पहले रालेगणसिद्धी

गांव में शराब को बंद किया। फिर कई बार महाराष्ट्र में एक अच्छी शराब की नीति बने इसलिए आंदोलन किए।

आंदोलन के कारण शराब बंदी का कानून बन गया, जिसमें किसी गांव और शहर में अगर 51 प्रतिशत महिलाएं खराब बंदी के पक्ष में वोटिंग करती हैं तो वहीं शराबबंदी हो जाती है।

उन्होंने पत्र में आगे लिखा, दिल्ली सरकार द्वारा भी इस प्रकार की नीति की उम्मीद थी। लेकिन आप ने ऐसा नहीं किया। लोग भी बाकी पार्टियों की तरह पैसा से सत्ता और सत्ता से पैसा के दुष्टचक्र में फंसे हुए दिखाई दे रहे हैं। एक बड़े आंदोलन से पैदा हुई राजनीतिक पार्टी को यह बात शोभा नहीं देती।

NAME CHANGED

I, No 14848441L Hav Ethape Vitthal Appasaheb, 517 ASC Bn, c/o 99 APO, Vill- Wakodi, Post- Darewadi, Distt.- Ahmednagar (MH) Pin-414002 have changed my mother name from RATTEN ETHAPE to RATANBAI AAPAPA ITHAPE in my service Records. Aff Ser No B173203 dt 24 Aug 2022.

NAME CHANGED

I, No 14848441L Hav Ethape Vitthal Appasaheb, 517 ASC Bn, c/o 99 APO, Vill- Wakodi, Post- Darewadi, Distt.- Ahmednagar (MH) Pin-414002 have changed my daughter name from SNEHAL to SNEHAL VITTHAL ETHAPE in my service Records. Aff Ser No B173100 dt 24 Aug 2022.

NAME CHANGED

I, No 14848441L Hav Ethape Vitthal Appasaheb, 517 ASC Bn, c/o 99 APO, Vill- Wakodi, Post- Darewadi, Distt.- Ahmednagar (MH) Pin-414002 have changed my father name from APPASAHEB ETHAPE to APPA RANGNATH ITHAPE in my service Records. Aff Ser No B173200 dt 24 Aug 2022.

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 01:00 PM

DEAR TEESTA MORNING

TUESDAY WEEKLY LOTTERY

Draw No:92 DrawDate on:30/08/22

1st Prize ₹1 Crore/- 71J 39906

(Including Super Prize Amt)

Cons. Prize ₹1000/- 39906 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

02467 15967 33530 35336 44632 54262 67078 69373 78664 97962

3rd Prize ₹450/-

0860 2947 3207 4433 7408 7631 8543 9018 9544 9834

4th Prize ₹250/-

1258 1313 3319 3376 3473 3852 4550 5196 7055 7859

5th Prize ₹120/-

0028 0146 0285 0433 0484 0502 0514 0521 0541 0557
0673 0679 0727 0817 0849 1008 1207 1222 1530 1676
1681 1713 1933 2203 2214 2374 2446 2782 2870 2885
2960 2985 3259 3260 3268 3627 3631 3749 3822 3904
3940 4037 4067 4316 4321 4371 4375 4567 4622 4649
4930 4978 5130 5190 5334 5371 5459 5463 5925 5990
6100 6183 6210 6280 6340 6369 6389 6415 6453 6507
6824 6872 6880 6904 7044 7241 7244 7327 7434 7531
7625 7689 7711 7739 7972 7991 8366 8483 8560 8588
8613 8696 8792 8857 9148 9216 9244 9278 9531 9842

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 08:00 PM

DEAR PARROT EVENING

TUESDAY WEEKLY LOTTERY

Draw No:192 DrawDate on:30/08/22

1st Prize ₹1 Crore/- 49H 79681

(Including Super Prize Amt)

Cons. Prize ₹1000/- 79681 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

00446 08780 11515 12883 19700 25187 48311 71894 73408 77280

3rd Prize ₹450/-

2132 2143 2452 3676 3846 4262 4773 5570 9250 9580

4th Prize ₹250/-

0846 0919 1751 2456 3673 4140 4407 7458 9018 9453

5th Prize ₹120/-

0068 0075 0089 0123 0227 0488 0672 0762 0887 0956
1603 1711 1779 1988 2044 2183 2196 2256 2366 2585
2724 2736 2854 2951 3039 3076 3260 3282 3350 3397
3446 3538 3644 3658 3716 3747 3759 3845 3921 4170
4306 4318 4414 4533 4543 4551 4588 4825 5026 5203
5382 5513 5706 5709 5846 5949 6030 6129 6172 6441
6516 6660 6749 6755 6817 6982 7395 7451 7506 7575
7578 7582 7671 7702 7884 7923 8184 8204 8275 8334
8357 8539 8550 8594 8648 8657 8775 8885 8933 9007
9022 9119 9126 9213 9260 9388 9515 9620 9742 9943

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 06:00 PM

DEAR MOON TUESDAY

WEEKLY LOTTERY

Draw No:92 DrawDate on:30/08/22

1st Prize ₹1 Crore/- 90L 89756

(Including Super Prize Amt)

Cons. Prize ₹1000/- 89756 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

15434 19682 34431 35714 73998 77623 79853 83964 96797 97092

3rd Prize ₹450/-

0338 1033 1778 2216 3003 3836 6057 8763 8930 8931

4th Prize ₹250/-

0588 2667 2763 3534 3933 4125 4582 4706 7146 8928

5th Prize ₹120/-

0056 0143 0353 0479 0519 0526 0755 0797 0970 0975
1222 1355 1503 1520 1539 1633 1694 1776 1915 1936
2214 2224 2252 2306 2421 2678 2787 2831 2948 3297
3302 3325 3493 3587 3638 3771 3898 3941 3949 4127
4617 4701 4895 4963 5148 5324 5449 5464 5580 5722
5896 5902 5904 5942 5964 6063 6081 6230 6238 6243
6440 6621 6655 6751 6874 6875 6980 7031 7054 7139
7197 7207 7337 7349 7504 7646 7802 7858 7872 7958
7974 8022 8023 8028 8070 8379 8382 8612 8762 8809
8830 9140 9189 9233 9442 9458 9490 9591 9778 9788

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

संपादकीय पृष्ठ

चांद पर अगला कदम

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने सोमवार को फ्लोरिडा के केनेडी स्पेस सेंटर से आर्टेमिस 1 प्रॉजेक्ट के तहत अपने नए मून रॉकेट एसएलएस (स्पेस लॉन्च सिस्टम) की लॉन्चिंग आखिरी पलों में तकनीकी कारणों से टाल दी है, लेकिन यह महत्वाकांक्षी और लंबा प्रॉजेक्ट न केवल नासा या अमेरिका के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिहाज से ऐतिहासिक महत्व रखता है। इस प्रॉजेक्ट का पहला चरण है- आर्टेमिस 1। दिलचस्प है कि अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने ही सबसे पहले इंसान को चांद पर पहुंचाने का करिश्मा किया था। 20 जुलाई 1969 को उसका अपोलो 11 मिशन चांद पर पहुंचा और उसके अगले दिन मिशन कमांडर नील आर्मस्ट्रॉन्ग चांद की सतह पर कदम रखने वाले पहले इंसान बने। 14 दिसंबर 1972 को अपोलो 17 मिशन की चांद से वापसी के बाद इससे जुड़े मिशन तो कई देशों ने चलाए, लेकिन चंद्रमा पर इंसान के पांव फिर नहीं पड़े। अब आधी सदी के बाद फिर एक बार अमेरिका ने ही ऐसा प्रॉजेक्ट शुरू किया है, जिसका एक अहम हिस्सा है चांद पर इंसान भेजना। आर्टेमिस 1 मानवरहित अभियान है। इसके जरिए चांद की सतह पर उतरे बगैर वहां की स्थितियों के बारे में आवश्यक जानकारी जुटाई जाएगी। इसके बाद आर्टेमिस 2 में चार अंतरिक्ष यात्री होंगे। हालांकि ये यात्री भी चांद की सतह पर नहीं जाएंगे, लेकिन ये अंतिरक्ष में धरती से उतनी दूर जाएंगे जितनी आज तक कोई नहीं गया।

बताया गया है कि आर्टेमिस 2 मिशन के तहत ये अंतरिक्ष यात्री इंटरनैशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) के मुकाबले धरती से 1 हजार गुना ज्यादा दूर जाएंगे। मगर चांद की सतह पर एक फिर इंसान के कदम पड़ेंगे आर्टेमिस 3 के दौरान। इस प्रॉजेक्ट के तहत अंतरिक्ष यात्रियों की एक टीम चांद पर एक सप्ताह रहेगी। यह 21वीं सदी का पहला मौका होगा जब इंसान चांद पर चल फिर रहा होगा। पिछली यात्रा के मुकाबले देखें तो इन 50 वर्षों में चांद चाहे न बदला हो पर धरती पर इंसान काफी बदल गया है। इस बदलाव का प्रभाव न केवल प्रॉजेक्ट के स्वरूप, उसके मकसद आदि पर बल्कि खुद टीम पर भी दिखने वाला है। नासा ने अभी से साफ कर दिया है चांद पर जाने वाली टीम में कम से कम एक महिला और एक अश्वेत सदस्य भी होंगे।

जहां तक प्रॉजेक्ट के मकसद की बात है तो पहले के अपोलो अभियानों का मकसद चांद पर इंसानों को पहुंचाना और वहां से सुरक्षित वापस लाना होता था। इस बार चांद पर जाने वाली टीम यह देखेगी कि उसे मंगल अभियान का बेस बनाने की कितनी संभावना है। इसी क्रम में यह भी देखा जाएगा कि वहां की मिट्टी में कुछ फसलें उगाने और वहां मौजूद चीजों से फ्यूल और बिल्डिंग मटीरियल बनाने की संभावना है या नहीं। साफ है कि चांद को इंसानों का दूसरा घर बनाने की संभावना खंगालने का काम ठोस ढंग से शुरू होने वाला है। इसके उतने ही ठोस नतीजे बहुत संभव है हमें इसी सदी में दिखने लग जाएं।

द. एशिया में बढ़ेगा भारत का प्रभुत्व

किरण लाम्बा

अमेरिकी हाउस की स्पीकर नैंसी पेलोसी जब पिछले दिनों ताइवान पहुंचीं तो दुनिया भर की निगाहें यहां टिक गई।

पिछले ढाई दशकों में यह पहला मौका था जब अमेरिका का कोई इतना बड़ा नेता ताइवान पहुंचा था। हालांकि अमेरिका ने जब स्पीकर नैंसी की यात्रा का ऐलान किया तो चीन आगबबूला हो गया था और इस यात्रा को बेहद खतरनाक करार दिया था और परिणाम भुगतने तक की धमकी दे डाली थी। एक मौका ऐसा भी आया जब लगा कि पेलोसी ताइवान नहीं जाएंगी, लेकिन चेतावनी और धमकियों के बावजूद वो ताइवान पहुंचीं। चीन ने अपने फाइटर जेट रवाना कर दिए। ऐसा लगा कि रूस और यूक्रेन के युद्ध के बीच एक नया मोर्चा खुल गया है। अमेरिका और चीन सीधे आमने-सामने आ सकते हैं। बहरहाल, दोनों देशों के बीच तनाव अभी भी बरकरार है।

एक तरफ अमेरिका खुद को दुनिया की महाशक्ति तो कहता ही है, दूसरी तरफ चीन खुद इस स्थान को हासिल करने के लिए कोई मौका नहीं छोड़ता है। खासकर दक्षिण एशिया में तो चीन खुद को दादा साबित करने के तमाम प्रयास करता दिखाई देता है। भारत के अलावा दक्षिण एशिया के तमाम ऐसे देश, जो भौगोलिक, जनसंख्या और आर्थिक दृष्टि से बहुत छोटे हैं, चीन इनको सामरिक और कूटनीतिक तौर पर साथ मिलाकर भारत को घेरने के प्रयास में लगा रहता है। चीन और ताइवान के विवाद की पृष्ठभूमि को थोड़ा समझ लेते है। दोनों देशों के बीच पुराने संबंध रहे हैं, लेकिन द्वितीय वि युद्ध के बाद ताइवान ने अपना रास्ता बिल्कुल अलग कर लिया है।

ताइवान मूलत: एक आईलैंड है जो चीन के दक्षिण पूर्वी तट से करीब 100 मील की दूरी पर है। ताइवान खुद को स्वतंत्र देश मानता है, यहां एक चुनी हुई लोकतांत्रिक सरकार है, अपना संविधान है और अपने नियम-कायदे हैं, जबकि चीन लगातार कहता रहा है कि ताइवान उसका एक प्रांत है। चीन की शी जिनिपंग सरकार खासकर बेहद आक्रामक तरीके से ताइवान के एकीकरण की दिशा में पिछले कुछ सालों से प्रयास कर रही है और इस कवायद के बीच दोनों देशों का तनाव लगातार बढ़ता गया है। चीन वन चाइना पॉलिसी फॉलो करता है और दावा करता है कि ताइवान भी इसी पॉलिसी का हिस्सा है।

यही नहीं, वन चाइना पॉलिसी में वह हांगकांग और मकाऊ को भी गिनता रहा है। अब यहां अमेरिका की भूमिका को समझ लेते हैं। ताइवान को लेकर अमेरिका की भूमिका बेहद संदिग्ध रही है। एक तरफ वह आधिकारिक तौर पर चीन की वन चाइना पॉलिसी को भी मानता है, तो दूसरी तरफ खुद ताइवान रिलेशंस एक्ट 1979 के तहत ताइवान को भी संरक्षण देता रहा है और कहता रहा है कि जब भी ताइवान को खुद को डिफेंड करने की जरूरत पड़ेगी, हर तरीके की और हरसंभव मदद देगा। ताइवान, अमेरिका के लिए आर्थिक और रणनीतिक दोनों तरीके से महत्त्वपूर्ण है। एक तरफ अमेरिका, ताइवान में हथियारों का सबसे बड़ा सप्लायर है। दूसरी तरफ अमेरिका को लगता है कि अगर चीन ताइवान पर कब्जा कर लेगा तो पश्चिमी प्रशांत महासागर में उसका दबदबा बढ़ेगा। इससे ग्वाम और हवाई आइलैंड पर मौजूद अमेरिकी सैनिक ठिकानों पर एक तरीके से खतरा आ सकता है।

अमेरिका की ही तरह भारत भी 50 के दशक से ही वन चाइना पॉलिसी को मानता आ रहा है, लेकिन बीते एक दशक से इसका जिक्र करना छोड़ दिया है। इसकी दो वजहें है। पहला चीन जिस तरीके से पिछले कुछ वर्षो में दक्षिण एशिया में अपनी बादशाहत कायम करने और जबरन आधिपत्य जमाने का प्रयास करता रहा है, उससे भारत ने उसके मंसूबे भांप लिये हैं। दूसरा उदाहरण हाल ही का है। चीन ने एक तरीके से भारत को चिढ़ाने के लिए चाइना पाक इकोनामिक कॉरिडोर में पीओके को शामिल किया। यह सीधे-सीधे भारत की संप्रभुता में दखल देने और चुनौती देने जैसा था। चीन की इन्हीं चाल और चुनौतियों को नाकाम करने के लिए भारत पिछले कुछ सालों से एक्ट ईस्ट पॉलिसी के तहत कूटनीतिक मोर्चे पर बेहद संजीदगी से काम कर रहा है। इसमें ताइवान भी शामिल है। एक्ट ईस्ट पॉलिसी के तहत ही भारत ने ताइवान के साथ व्यापार और निवेश के अलावा विज्ञान-प्रौद्योगिकी और इन्वायरमेंट जैसे क्षेत्रों में काफी काम किया है।

दोनों देशों के बीच भले ही कोई औपचारिक राजनियक संबंध नहीं है, लेकिन 1995 के बाद से नई दिल्ली और ताइपे में प्रतिनिधि कार्यालय की स्थापना की गई है। भारत हमेशा से दो देशों की लड़ाई या तनाव में सीधे दखल देने से बचता रहा है। हालिया रूस और यूक्रेन का युद्ध इसका सबसे ताजा उदाहरण है। पेलोसी के दौरे के बीच जब तनाव की स्थिति बनी तो भारत ने पुन: इस पर कोई बयान नहीं दिया, लेकिन रूस और यूक्रेन से इतर चीन-ताइवान का मसला भारत के अलग है। यदि ताइवान के मसले पर अमेरिका और चीन आमने सामने आ जाते हैं तो यह लड़ाई बिल्कुल पड़ोस की होगी। इंडो पैसिफिक रीजन में भारत अमेरिका की चीन को काउंटर करने की नीतियों का समर्थन करता है। ऐसे में अगर टकराव हुआ तो इससे इंडो पैसिफिक रीजन में खतरा बढ़ेगा, जिससे सीधे तौर पर भारत भी प्रभावित होगा। हालांकि इससे दक्षिण एशिया में भारत के लिए नये मौके भी बन सकते हैं।

शिक्षा व्यवस्था में सुधार का सवाल

नवीन सिंह पटेल

संगमनगरी प्रयागराज स्थित प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) राज्य विश्वविद्यालय में पिछले दिनों 9,849 नकलची विद्यार्थियों का पकड़ा जाना उच्च शिक्षा के इतिहास में काले अध्याय सरीखा है। यह भी अभूतपूर्व है कि सभी विद्यार्थी एक ही कक्षा (स्नातक तृतीय वर्ष) के हैं। इनमें भी 87 फीसदी उन विज्ञान विषयों से ताल्लुक रखते हैं, जिन्हें आर्ट्स या कॉमर्स के मुकाबले उच्चतर समझा जाता है। इन पर कॉपियों के मूल्यांकन में एक-से जवाब मिलने के बाद शक गहराया, तो परीक्षा केंद्रों के सीसीटीवी फुटेज की जांच कराई गई। इसमें खुलासा हुआ कि परीक्षा कक्ष में बैठे विद्यार्थी एक साथ सिर उठाकर सामने देखते हैं और फिर लिखने लगते हैं। यह नकल बोर्ड पर लिखकर और बोलकर कराई गई थी। कारस्तानी छिपाने के लिए केंद्र व्यवस्थापकों ने ब्लैक बोर्ड की ओर कैमरे नहीं लगाए थे।

चूंकि विश्वविद्यालय प्रशासन ने ही नकल के इस दुस्साहसिक खेल को न सिर्फ उजागर किया, बल्कि नकलचियों को एक साल के लिए प्रतिबंधित भी किया, इसलिए उसके व्हिसिलब्लोअर बनने को उच्च शिक्षा व्यवस्था में सुधार की कोशिश के रूप में ही लेना चाहिए। हालांकि, पूरब के ऑक्सफोर्ड (इलाहाबाद विश्वविद्यालय) वाले शहर के इस मात्र छह बरस पुराने राज्य विश्वविद्यालय के इस कदम से व्यवस्था में सुधार आ ही जाएगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है। हां, यह खतरा जरूर बढ़ गया है कि इस विश्वविद्यालय से प्रतापगढ़, कौशाम्बी, फतेहपुर और प्रयागराज जिले के संबद्ध 653 महाविद्यालयों में आगे दाखिले ही घट जाएं। दरअसल, उच्च शिक्षा में व्यापक सुधार माध्यमिक और प्राथमिक शिक्षा के अच्छा हुए बगैर संभव ही नहीं है।

इस चुनौती को स्वतंत्रता हासिल होने के तुरंत बाद महात्मा गांधी ने शिद्दत से महसूस करते हुए हरिजन में लिखा था, 'विश्वविद्यालय चोटी पर होता है। चोटी तभी कायम रह सकती है, जब बुनियाद अच्छी हो।' वैसे, यह बात 50 की उम्र पार कर चुके अभिभावकों को बखूबी याद भी होगी, जब उनके विद्यार्थी जीवन में राजकीय इंटर और डिग्री कॉलेजों में दाखिला पाना कितने गर्व की बात हुआ करती थी। यहां दाखिला मिलना ही इस बात की गारंटी हो जाती थी कि विद्यार्थी कुछ 'बड़ा' बनकर ही निकलेंगे। इनका स्वर्णिम इतिहास ही कुछ ऐसा था। पर, आज स्थिति ऐसी हो गई है कि इनकी प्रयोगशालाएं धूल से अटी पड़ी हैं और पूरे शैक्षिक सत्र में एक-आध बार उपकरणों के दर्शन-लाभ भर से विद्यार्थियों को उत्कृष्ट श्रेणी हासिल करा दी जा रही है। यहां सख्ती हो जाए, तो सीटें भरने के लाले पड़ सकते हैं।

वैसे भी लाख जतन करके अभी 26.3 फीसदी छात्र ही उच्च शिक्षा संस्थानों तक पहुंच पा रहे हैं। इसमें उन निजी महाविद्यालयों का आंकड़ा भी शामिल है, जो इसी गारंटी के साथ प्रवेश देते हैं कि क्लासरूम में आए बिना ही अच्छे अंकों में पास की मार्कशीट दिला देंगे! इसी खेल के कारण कुछ दशक पहले तक ठसक से छांट-छांटकर प्रवेश देने वाले एडेड महाविद्यालय भी आज पूरी सीटें नहीं भर पा रहे। इनके दबाव का ही नतीजा है कि उत्तर प्रदेश में शिक्षकों की बायोमीट्रिक हाजिरी के खिलाफ बात हाई कोर्ट तक गई और वहां से राहत नहीं मिलने के बावजूद आठ साल बाद जून-2022 से इसे लागू किया जा सका है। कॉलेजों में शिक्षक आएंगे तो पढ़ाएंगे ही, यह धारणा कितनी फलीभूत होती है, यह आगे पता लगेगा।

वैसे, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात को 26 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 फीसदी तक लाने का जो लक्ष्य रखा गया है, संभव है कि उसे हासिल कर लिया जाए, लेकिन क्या इससे गुणवत्ता सुनिश्चित हो सकेगी? नई शिक्षा नीति के नियंताओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि शिक्षण से लेकर मूल्यांकन तक की व्यवस्था पारदर्शी और ईमानदार बनाई जाए। यह कुछ पाठ्यक्रमों में बदलाव या राष्ट्रीय आकलन केंद्र 'परख' की स्थापना मात्र से कतई नहीं सुधरने वाला। इसके लिए कैंपस का माहौल पूरी तरह बदलना होगा, जवाबदेह बनाना होगा। जब तक यह नहीं होगा, नकल के काले अध्याय जुड़ते ही रहेंगे।

अनमोल पानी का अवमूल्यन

ईशा झावेरी

हमारे समाज का स्वरूप शुरुआती दिनों से ही बारिश, नदियां, तटों और समुद्रों द्वारा निर्धारित किया गया है। शास्त्रीय पुरातनता से लेकर अब्राहमिक धर्मों (इस्लाम, ईसाइयत और यहूदी) और फिर प्राचीन मेसोपोटामिया तक की कहानियां बताती हैं कि कैसे पानी ने इतिहास को बदला। भारत में मानसून जून से सितंबर के बीच 80 फीसदी बारिश लाता है, जो बचपन से लेकर संस्कृति और वाणिज्य तक को आकार देता है। बारिश के स्तर में विविधता कोई नई बात नहीं है, लेकिन जलवायु परिवर्तन के परिणामस्वरूप इसकी तीव्रता नई है। जलवायु परिवर्तन को पानी के माध्यम से सबसे अधिक गहराई से महसूस किया जाता है। उच्च तापमान के कारण सूखा, बाढ़ और बढ़ती वर्षा परिवर्तनशीलता होती है। ग्लोबल वार्मिंग में जरा-सी भी वृद्धि होने से पानी संबंधी जोखिम के तेज होने की आशंका बढ़ जाती है। इसलिए पानी की बहुलता और संकट से जुड़ी चिंताएं नीतिगत चर्चा के केंद्र में हैं। वैज्ञानिक इस बात पर सहमत हैं कि मानसून में परिवर्तनशीलता में बदलाव जारी है और आगे भी रहेगा।

भारत पहले से ही बारिश के दिनों में छोटे-छोटे अंतराल और कभी-कभी एक महीने के अंतराल पर लंबे सूखे का सामना करता रहा है। इसी वर्ष जून में असम सूखे से जूझ रहा था, लेकिन सप्ताह भर के भीतर ही वहां विनाशकारी बाढ़ आ गई। इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) की ताजा रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि जलवायु परिवर्तन के साथ इस तरह के भयंकर जोखिमों की आशंका और अधिक होगी। पानी की बढ़ती परिवर्तनशीलता (अतिवृष्टि या अनावृष्टि) समुदायों पर भारी पड़ सकती है। अतिवृष्टि के कारण महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों, घरों को नुकसान पहुंचता है और पानी के किनारे रहने वाले लाखों लोगों की आजीविका बाधित होती है।

नए आंकड़ों से पता चलता है कि 39 करोड़ लोग उन क्षेत्रों में रहते हैं, जो बाढ़ से सीधे प्रभावित हैं। अति निर्धन लोगों के जीवन, जीविका और कल्याण पर बाढ़ का सबसे बुरा असर पड़ता है। पर धीमी गति से चलने वाला सूखा धीमी गति के दुख की तरह है, जो कंपनियों और शहर की उत्पादकता को बाधित कर सकता है, वनों के विनाश को बढ़ा सकता है और लोगों के स्वास्थ्य एवं कृषि प्रणालियों को नुकसान पहुंचा सकता है। अधिकांश देशों ने अपनी जलवायु परिवर्तन योजनाओं में अनुकूलन के लिए पानी को प्राथमिकता दी है। आईपीसीसी की ताजा रिपोर्ट में यह भी पाया गया है कि इन जलवायु परिवर्तन अनुकूलन रणनीतियों में से अधिकांश कृषि क्षेत्र को लक्षित करते हैं। इन सर्वव्यापी अनुकूलन रणनीतियों में से एक सिंचाई, रणनीतिक भंडार और फसलों पर पानी का अनुप्रयोग है। ये प्रयास फसलों को वर्षा की बढ़ती परिवर्तनशीलता और बढ़ी हुई गर्मी की कुछ कठिनाइयों और

अनिश्चितताओं से बचाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। भारत में इसका सबसे स्पष्ट उदाहरण भूजल सिंचाई है, जिसमें 500 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। बेशक इससे खेतों को भारी लाभ हुआ है।

लेकिन किस हद तक और कब तक? हमने गेहूं के मामले में इसकी जांच की, जो कि अनुमानत: देश में सिंचाई की बढ़ती मांग का मुख्य कारण है। परिणाम बताते हैं कि भारत में गेहूं के पैदावार में वृद्धि के लिए सिंचाई में वृद्धि महत्वपूर्ण रही है। सिंचाई ने सूखे के प्रभाव को कम कर दिया है। हालांकि इसको लेकर संदेह है कि यह लाभ भविष्य में भी जारी रहेगा। हाल के वर्षों में सिंचाई के विस्तार से उपज लाभ धीमा हो गया है, जबकि बढ़ते तापमान और सूखे के नकारात्मक परिणाम बढ़ते जा रहे हैं। यह बताता है कि अतीत में काम करने वाली रणनीतियां भविष्य में काम नहीं कर सकतीं। इसका एक कारण यह है कि अतीत के लाभ भूजल स्रोतों पर बढ़ते दबाव की कीमत पर आए हैं। नतीजतन भूजल का व्यापक दोहन हुआ है और भूजल स्तर में गिरावट आई है।

भूजल की कमी से देश में फसलों का उत्पादन काफी घट सकता है, जिससे लोगों की खाद्य सुरक्षा, आजीविका और कल्याण प्रभावित हो सकते हैं। भूजल स्तर के घटने का एक अर्थ सूखे के मौसम में नदियों का सूखना भी है, जब पानी की सर्वाधिक जरूरत होती है। विडंबना देखिए कि जिस संसाधन ने अतीत में जलवायु परिवर्तनशीलता को कम किया है, वह ऐसी स्थितियां भी पैदा कर सकता है, जो भविष्य में प्रतिकुलताओं को और बढ़ाए। कुछ शुष्क क्षेत्रों में मुफ्त या कम लागत में पानी की आपूर्ति पानी की बहुतायत का भ्रम पैदा करती है, जिसके चलते ज्यादा पानी की खपत वाली फसलों की खेती बढ़ती है। जल निवेश भी अनजाने में असमानताओं को बढ़ा सकता है। महाराष्ट्र में सूखा प्रभावित क्षेत्रों में वर्ष 2015 से बड़े पैमाने पर कृत्रिम तालाब बनाए गए, जिसका उद्देश्य वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देकर छोटे खेतों में कृषि को प्रोत्साहित करना था, लेकिन प्राथमिक शोध बताते हैं कि किसानों को भूजल दोहन कर तालाबों को भरने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इससे किसानों के बीच भूजल दोहन की प्रतिस्पर्धा बढ़ी।

स्थानीय कृषि पारिस्थितिकी से निकटता से जुड़ी फसलों के उत्पादन को प्रोत्साहित करना ही विवेकपूर्ण रणनीति है, न कि उन फसलों को सब्सिडी देना, जो जलवायु संकट के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाती है। इसके अलावा, प्रतिरोधी समुदायों के लिए पूरक समाधानों में निवेश करना- जैसे, वाटरशेड और जंगलों की रक्षा करना और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील भूमि प्रबंधन प्रथाओं का उपयोग करना-जल प्रवाह को बढ़ा सकता है और फसल उत्पादकता व आय में वृद्धि कर सकता है। हालांकि बदलाव अक्सर मुश्किल होता है। पानी के सफलता प्रबंधन के लिए नीति और अभ्यास में तालमेल की जरूरत होती है, जो तीन प्रतिस्पर्धी प्राथमिकताओं- दक्षता, समानता और स्थिरता-को संतुलित करते हुए उपयोग की इस पूरी शृंखला में पानी के मूल्य को पहचानती है।

यही वह चुनौती है, जो वर्तमान जल प्रबंधन प्रथाओं को प्रभावित करती है। जलशक्ति मंत्रालय द्वारा स्थापित स्वतंत्र विशेषज्ञों की एक समिति द्वारा तैयार नई राष्ट्रीय जल नीति इन कमियों को पहचानती है और जल संसाधनों के प्रबंधन और संचालन के लिए एक आदर्श बदलाव पेश करती है। यह जल संसाधनों की सुरक्षा के लिए समाधान विकसित करने का एक रोडमैप प्रदान करती है। हमें सतत जल भविष्य के लिए अपने प्रयासों को दोगुना करने की आवश्यकता है। प्रयास की एक-एक बूंद मायने रखती है। -लेखिका स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में खाद्य सुरक्षा व पर्यावरण केंद्र से जुड़ी हैं।

मुखरता के लिए मशहूर जज

विनीत नारायण

जब भी कभी किसी के बीच कोई विवाद उठता है, और वो लोग किसी नतीजे पर नहीं पहुंचते तो अदालत का रुख करते हैं।

ऐसा इसलिए होता है क्योंकि जनता को न्यायालयों पर पूरा विश्वास है परंतु भारत के न्यायतंत्र में लंबित मामलों की संख्या लगभग पांच करोड़ के पार चली गई है। हाल ही में देश के कानून मंत्री ने संसद में कहा कि यदि कोई जज 50 मामलों का निपटारा करता है, तो 100 और नये मामले दर्ज हो जाते हैं। देश के न्यायालयों में जजों की संख्या कम है, और मामलों की काफी अधिक। ऐसे में न्याय मिलने की बजाय वादी को मिलती है तो सिर्फ एक नई तारीख।

कोविड महामारी ने दुनिया भर में ऑनलाइन कार्य को काफी बढ़ावा दिया और इससे संसाधनों की काफी बचत भी हुई। शुक्रवार को रिटायर हुए देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एन वी रमना ने अपना पद संभालने के कुछ ही हफ्तों में इस बात पर काफी जोर दिया था कि सर्वोच्च न्यायालय में होने वाली सुनवाई का सीधा प्रसारण किया जाना चाहिए। जस्टिस रमना के अनुसार ऐसा करना इसलिए उचित रहता क्योंकि अदालत में हुई सुनवाई जनता तक बिना किसी निहित स्वार्थ के सेंसर किए पहुंचती। उन्होंने मुकदमों की मीडिया रिपोर्टिंग पर सवाल उठाते हुए कहा था कि कई बार संदर्भ से हटकर खबरें छाप दी जाती हैं। इसलिए यदि कोर्ट की सुनवाई का सीधा प्रसारण किया जाए तो वो जनता के हित में ही होगा।

आज तकनीक का कमाल है कि हम घर बैठे आराम से शॉपिंग कर लेते हैं। कोविड महामारी के चलते जब कोर्ट में केवल ऑनलाइन सुनवाई हो रही थी तब कोर्ट की कार्यवाही नहीं रु की, बल्कि लोग अपने घरों से ही कोर्ट की सुनवाई में शामिल होते थे। ऐसे में अदालतों की सुनवाई यदि अधिक से अधिक ऑनलाइन तरीके से होती है, तो इसके कई फायदे होते हैं। यदि कोर्ट की सुनवाई का सीधा प्रसारण भी हो तो कोर्ट में फालतू की भीड़ भी नहीं लगेगी। अदालत की कार्यवाही को कवर करने वाले पत्रकारों को भी इसका लाभ पहुंचेगा। किसी भी उच्च न्यायालय या उस न्यायालय में, जहां एक से अधिक कोर्ट रूम होते हैं, पत्रकारों की दिक्कत तब बढ़ जाती है, जब एक से अधिक खास मामले दो अलग-अलग कोर्ट में चल रहे होते हैं। यदि सुनवाई का सीधा प्रसारण हो और वो सुनवाई के बाद भी देखा जा सके तो सुनवाई की खबर लिखने में आसानी हो जाती है।

इससे पहले रांची में एक भाषण के दौरान जस्टिस रमना ने कहा था, न्याय से जुड़े मुद्दों पर गलत सूचना और एजेंडा चलाना स्वस्थ लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। तब मुख्य न्यायधीश जस्टिस रमना की इस पहल को सभी ने सराहा था। उनके कार्यकाल के आखिरी दिन भारत के इतिहास में पहली बार सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई का सीधा प्रसारण देखने को मिला। इस सुनवाई को एक सेरिमोनियल बेंच का नाम दिया गया। इस सुनवाई में शुरु आती दौर में जरूरी मामलों की अगली तारीख तय करने संबंधित कार्यवाही हुई। इसके पश्चात न्यायमूर्ति रमना को अधिवक्ताओं द्वारा विदाई देने की प्रक्रिया शुरू हुई। सीधे प्रसारण में वकीलों से खचाखच भरी हुई कोर्ट नम्बर एक का नजारा देखने लायक था। कोर्ट रूम के अलावा कई वरिष्ठ अधिवक्ता ऑनलाइन रूप से भी जुड़े हुए थे। एक-एक करके कभी कोर्ट रूम से तो कभी ऑनलाइन मोड से सभी जस्टिस रमना को उनकी शानदार पारी के लिए बधाई दे रहे थे।

विदाई देते हुए अटॉर्नी जनरल के के वेणुगोपाल ने कहा कि आपके रिटायरमेंट से हम एक बुद्धिजीवी और एक उत्कृष्ट न्यायाधीश खो रहे हैं।

कॅरियर के लिए अच्छा ऑप्शन हो सकता है कुकिंग और बेकरी का कोर्स

जायकेदार खाना बनाने की कला के जरिए आप एक छोटे लोकल पब से लेकर फाइव स्टार या फिर इंटरनेशनल होटल में अपनी जगह बना सकते हैं

जायकेदार खाना बनाने की कला के जरिए आप एक छोटे लोकल पब से लेकर फाइव स्टार या फिर इंटरनेशनल होटल में अपनी जगह बना सकते हैं.बस दिखाना है अपनी उंगलियों का कमाल, बनाना है ऐसा खाना की सामने वाला सिर्फ खाना ही नहीं बल्कि उंगलियां भी चाटता रह जाएं.अगर आपका इंट्रेस्ट कुकिंग, बेकिंग और लजीज खाना बनाने में है, अगर आप डिफरेंट डिशेज के साथ एक्सपेरिमेंट करना पसंद करते हैं तो एक नया कॅरियर ऑप्शन आपके इंतजार में हैं.होटल मैनेजमेंट में इन दिनों कॅरियर बनाने के कई ऑप्शन मौजूद हैं और उनमें से एक है कुकिंग एंड बेकरी

प्रकृति : कुकिंग और बेकरी का कोर्स आपके लिए एक अच्छा ऑप्शन बन सकता है, यदि आप एक बेहतर शेफ बनाना चाहते हैं.खाने की सम्पूर्ण जिम्मेदारी से लेकर किचन का रख-रखाव शेफ की निगरानी में होता है।हालांकि कई बार शेफ को फ्रंट में भी आना पड़ता है.ये एक मैनेजरियल एक्टिविटी का ही हिस्सा होता है, ताकि उसे पता चल सके कि लोगों को क्या पसंद है.और उसके अनुरूप वो लोगों के लिए वही डिश तैयार करे ताकि लोग बार-बार स्वाद लेने के लिए बरबस पहुंच जाए.

कोर्स : बीएससी इन हॉस्पिटैलिटी एंड होटल एडमिनिस्ट्रेशन, डिप्लोमा इन कुकरी, क्राफ्टसमैनशिप कोर्स इन फूड एंड बेवरेज सर्विस मैनेजमेंट, सर्टिफिकेट कोर्स इन कुकरी, सर्टिफिकेट कोर्स इन कुकरी फॉर होम मेकिंग, डिप्लोमा इन बेकरी एंड कंफेक्शनरी जैसे कोर्स कर कुकिंग और बेकरी में करियर बना सकते हैं.

अवसर : कुकिंग और बेकरी होटल मैनेजमेंट का एक अहम पार्ट है.इसमें करियर के कई अवसर हैं.सबसे अहम है फूड एंव बेवरेज डिविजन सर्विस के अलावा बतौर शेफ बनकर करियर को रौशन कर सकते हैं.मुख्य तौर पर होटल, रेस्तरां, क्रूज, टूरिज्म एसोसिएन, एयरलाइन कैटरिंग और केबिन सर्विस, क्लब मैनेजमेंट, लॉज, गेस्ट-हाउस भी होटल मैनेजमेंट पासआउट प्रोफेशनल्स ही चलाते है.बेकर्स के लिए भी जॉब के ऑप्शन्स की कमी नहीं है.बेकरी, हॉट ब्रेड शॉप, डिपार्टमेंटल स्टोर्स, होटल और कैफे में भी बेकर्स की काफी डिमांड है.पूरी दुनिया में टुरिज्म और एविएशन ने होटल बिजनेस के लिए अवसरों को बहुत बड़ा बना दिया है।आने वाले समय में होटल इंडस्ट्री में जॉब की कमी नहीं होगी.इसके अलावा आप धीरे-धीरे खुद का होटल, बेकरी शॉप, रेंस्तरां य फिर कैटरिंग बिजनेस भी शुरु कर सकते हैं, ऐसा कहना है एलबीआईआईएचएम के डायरेक्टर कमल कुमार का.

योग्यता : कुकिंग और बेकरी में सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा व डिग्री कर सकते हैं.इन पाठ्यक्रमों में एडमिशन के लिए किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड या विविद्यालय से 12वीं या स्नातक होना जरूरी है.12वीं में अंग्रेजी एक अनिवार्य विषय के रूप में होनी चाहिए.इस इंडस्ट्री में कामयाब होने के लिए कुछ व्यक्तिगत गुणों का होना भी जरूरी है जैसे मृदुभाषी होना।द्विभाषी (अंग्रेजी, हिन्दी) का ज्ञान हो तो और भी बेहतर.बेहतर पर्सनैलिटी, सुनने-समझने की अच्छी आदत, समस्याओं को सुलझाने की योग्यता, लीडरशिप और मैनेजरियल स्किल भी बेहद जरूरी है.

जॉब के साथ-साथ पढ़ाई करने की सहूलियत देता है डिस्टेंस एजुकेशन

डिस्टेंस एजुकेशन प्रोग्राम स्टूडेंट्स को ऑनलाइन पढ़ने की सुविधा तो देते हैं, लेकिन इसकी क्रेडिबिलिटी को लेकर कंफ्यूज रहने के कारण स्टूडेंट्स इसे चुनने का निर्णय नहीं ले पाते। स्टूडेंट्स की इसी समस्या को दूर करने के लिए हम कर रहे हैं इसके हर पहलू का विश्लेषण।

डिस्टेंस एजुकेशन प्रोग्राम स्टूडेंट्स को जॉब के साथ-साथ पढ़ाई करने की सहूलियत देता है। लेकिन बावजूद इसके कई स्टूडेंट्स इसकी वैल्यू को लेकर कन्फ्यूज्ड रहते हैं।यह मोड ऑफ एजुकेशन स्टूडेंट्स के लिए कितना बेनिफीशियल हो सकता है, यह पूरी तरह से स्टूडेंट पर ही निर्भर करता है।अगर आप भी डिस्टेंस मोड से हायर एजुकेशन पाने को लेकर कन्फ्यूज्ड हैं तो जानें डिस्टेंस लर्निंग प्रोग्राम की पूरी अनालिसिस ताकि आपके लिए डिसीजन लेना आसान हो जाए।

डिस्टेंस एजुकेशन के लाभ

लचीलापन

फ्लेक्सिबल होने से वर्किंग प्रोफेशनल्स के लिए यह फायदेमंद है।ऐसे स्टूडेंट्स जिन्हें काम के कारण अपनी पढ़ाई छोड़नी पड़ी या जो दूसरे शहर जाकर नहीं पढ़ सकते हैं, वो इसका फायदा उठा सकते हैं।

समय व ऊर्जा की बचत

अगर आप गांव या कस्बे में रहते हैं, जहां हायर एजुकेशन के लिए अच्छे कॉलेज नहीं हैं, तो डिस्टेंस मोड अच्छा ऑप्शन है।

कोई दबाव नहीं

कॉन्सेप्ट समझने और याद करने की हर स्टूडेंट की अपनी एबिलिटी होती है।इसमें आप को प्रेशर या कंपीटिशन का दबाव महसूस नहीं होता है।

आर्थिक रूप से किफायती

रेग्युलर कोर्सेस की अपेक्षा इसके कोर्सेस सस्ते होते हैं साथ ही कॉलेज जाने या दूसरे शहर में रहकर पढ़ने का खर्चा भी बचता है।

सुविधाजनक

आप घर या ऑफिस कहीं से भी ऑनलाइन अपना असायनमेंट सब्मिट कर सकते हैं।

समय की सुविधा

आपको जब समय मिले, तब आप ऑनलाइन लेक्चर्स अटैंड कर सकते हैं।वर्चुअल क्लासमेट्स से डिस्कस कर डाउट्स क्लियर कर सकते हैं।

कहीं से भी शुरू करें

आपको स्टडी मटैरियल प्रोवाइड किया जाता है। आप चाहे जिस टॉपिक से अपनी स्टडी शुरू कर सकते हैं।

कस्टमर ही मार्केट का बादशाह होता है और उसे लुभाकर ही बिजनेस में कामयाबी हासिल की जा सकती है।

बहुत मायने रखता है जो दिखता है वह बिकता है का कॉन्सेप्ट

'जो दिखता है वह बिकता है'' का कॉन्सेप्ट मॉल कल्चर के लिए बहुत मायने रखता है।दुकानों के सामने सिर्फ डिस्प्ले लगाने का दौर अब नहीं रहा।शो-रूम्स में हर चीज इतनी सलीके से रखी हुई मिलती हैं कि कस्टमर कोई वस्तु खरीदने जाता है, जो अन्य चीजें भी आकर्षित करने लगती हैं।सेल्समैन से कुछ भी पूछने की जरूरत नहीं पड़ती। दरअसल, यह सब विजुअल मर्चैंडाइजिंग का कमाल है, जो अपने आप पूरी एक साइंस है यानी स्टोर में प्रोडक्ट को कैसे डिस्प्ले करना है? वॉल पर क्या कल अच्छा लगेगा? कैसे टारगेट कस्टमर को दुकान या स्टोर के अंदर लाया जाए. इत्यादि।इसीलिए विजुअल मर्चैंडाइजर को 'साइलेंट सेलर'' भी कहा जाता है।रिटेल स्टोर और मल्टी स्टोर का चलन बढ़ने से इस प्रोफेशन की डिमांड बहुत बढ़ गई है।

प्रोफेशनल थीम का जमाना

विजुअल मर्चैंडाइजिंग प्रेजेंटेशन का एक आर्ट है, जिससे किसी चीज की छवि बनाई जाती है।दरअसल, यह मार्केटिंग का ही दूसरा रूप है।एक विजुअल मर्चैंडाइजर का मुख्य ध्येय कस्टमर को प्रोडक्ट के प्रेजेंटेशन के जरिए लुभाना और उन्हें खरीददारी के लिए प्रोत्साहित करना है, ताकि सेल्स में बढ़ोत्तरी हो।ऐसा करने के लिए स्टोर में चीजों को क्रिएटिव ढंग से लगाना, विंडो डिस्प्ले, विजुअल डिस्प्ले, कलर ब्लॉकिंग, काउंटर तथा इन-काउंटर डिस्प्ले जैसे तमाम तरीके इस्तेमाल किए जाते हैं।मॉल का स्टोर के लिए पिक्चर, ब्रोशर और पोस्टर भी यही लोग तैयार करते हैं ताकि कस्टमल से बिना कुछ बोले कम्युनिकेट किया जा सके।ऐसे प्रोफेशनल थीम के अनुसार अपनी स्ट्रेटेजी बदलते रहते हैं।मसलन, किस मौसम में क्या विंडो थीम रखना है? होली, दीपावली जैसे त्योहारों पर या वैलेंटाइन जैसे मौकों पर स्टोर की विंडो थीम क्या होनी चाहिए?

जॉब के अवसर

देश में रिटेल सेक्टर तेजी से विकास कर रहा है।ऑनलाइन शॉपिंग कल्चर भी बढ़ रहा है।वॉलमार्ट, आइटीसी, शॉपर्स स्टॉप, पैंटालून, तनिष्क और टाइटन जैसे ग्रुप छोटे से लेकर बड़े शहरों में दिनोंदिन मल्टीस्टोर खोल रहे हैं।इसलिए विजुअल मर्चैंडाइजर्स के लिए यहां जॉब की संभावनाएं भी बहुत हैं।मॉल्स, फैशन बूटीक्स, फाइव स्टार होटल्स और रेस्टोरेंट में भी ऐसे प्रोफेशनल्स की भारी डिमांड है। विजुअल मर्चैंडाइजिंग के जानकारों के लिए एम्पोरिया, डिजाइन कंपनी, आर्किटेक्चर फर्म तथा थीम पार्टी ऑर्गेनाइजिंग कंपनीज में भी जॉब के तमाम अवसर हैं।युवा चाहें, तो पार्टटाइम के रूप में फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

करियर स्कोप

विजुअल मर्चैंडाइजर के लिए करियर स्कोप सिर्फ रिटेल सेक्टर में ही नहीं है।ऐसे प्रोफेशनल्स की वैल्यू ई-कॉमर्स कंपनियों में भी बहुत है, जहां ये स्नैपडील, अमेजन जैसी कंपनियों की वेबसाइट का लुक तैयार करते हैं।प्रोडक्ट डिस्प्ले पर काम करते हैं।इसी तरह रेस्टोरेंट और कैफे में आजकल सीजनल थीम तय करने का काम यही प्रोफेशनल्स कर रहे हैं।इनके हिसाब से ही खाने-पीने की चीजें कस्टमर को परोसे जाते हैं।स्टोर्स में भी प्रोडक्ट डिस्प्ले के लिए इनकी सेवाएं ली जा रही हैं।अच्छी डिजाइनिंग और फैशन सेंस रखने की वजह से टेक्सटाइल इंडस्ट्री में भी इनके लिए स्कोप लगातार बढ़ रहे हैं।

जॉब ग्रोथ

इस फील्ड में ग्रोथ बहुत है।अपने काम के आधार पर आप असिस्टेंट लेवल से लेकर क्लस्टर मैनेजर और ब्रांच मैनेजर तक बन सकते हैं।कई बड़ी कंपनियों की डिप्स्ले टीम में ऐसे प्रोफेशनल शॉप फ्लोर मैनेजर, स्टोर विजुअल मर्चैंडाइजिंग को ऑर्डिनेटर, फ्रीलांस विजुएल डिस्प्ले पर्सन, रिटेल विजुअल मर्चैंडाइजर और असिस्टेंट के तौर पर अपनी सेवाएं देते हैं।

क्वॉलिफिकेशन

विजुअल मर्चैंडाइजिंग फील्ड में प्रवेश के लिए रिटेल या फैशन मर्चेडाइजिंग का बैकग्राउंड होना जरूरी है।ग्रॉफिक डिजाइनिंग के जानकार भी यहां करियर बना सकते हैं। वर्तमान में कई इंस्टीट्यूट विजुअल मर्चैंडाइजिंग या फैशन कम्युनिकेशन में डिग्री, डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स ऑफर कर रहे हैं।डिप्लोमा कोर्स युवा ग्रेजुएशन के बाद कर सकते हैं।वहीं, डिग्री प्रोग्राम के लिए किसी भी स्ट्रीम से टेन प्लस टू उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।विजुअल मर्चैंडाइजिंग कोर्स के अंतर्गत स्टूडेंट को रिटेल स्टोर के लेआउट, डिजाइन स्टोर डिस्प्ले, प्रोडक्ट प्रेजेंटेशन, इंटीरियर डेकोरेशन आदि की जानकारी दी जाती है।

सैलरी पैकेज

रिटेलिंग फील्ड में विजुअल मर्चैंडाइजर को काफी आकर्षक सैलरी मिलती है।करियर के शुरुआती दिनों में ऐसे प्रोफेशनल्स को 35 लाख रुपए तक सैलरी पैकेज आसानी से मिल जाता है।योग्यता और अनुभव के बल पर दो से तीन वर्षों बाद आपका सेलरी पैकेज 4 से 5 लाख रुपए तक पहुंच जाता है।बड़ी कंपनियों में यह पैकेज और भी अधिक हो सकता है।फ्रीलांसर के रूप में भी इस फील्ड में अच्छी कमाई है।

प्रेजेंटेशन पर बढ़ता जोर

देश की जीड़ीपी बढ़ रही है।खाने-पीने की सुविधा अब बहुत हो गई है।लोगों की स्पेंडिंग कैपिसिटी भी बढ़ गई है। वीकेंड पर घूमने-फिरने का चलन बढ़ रहा है।स्टैंडर्ड लाइफस्टाइल मैंटेन किया जा रहा है।यही वजह है कि देश और विदेश के बड़े ग्रुप के रिटेल स्टोर तेजी से खुल रहे हैं। और उनका विस्तार भी हो रहा है।इनमें प्रतिस्पर्धा भी बढ़ रही है।इसलिए बेहतरीन प्रेजेंटेशन के जरिए प्रोडक्ट बेचने पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है।विजुअल मर्चैंडाइजर के लिए स्कोप रेस्टोरेंट और ब्रांडेड नाम वाले खाने-पीने के स्टोर्स में भी बढ़ रहा है।इसलिए युवाओं के लिए यहां बहुत अच्छा क रियर है।

पाकिस्तान की अदालत ने इमरान के भाषण के सीधे प्रसारण पर लगी रोक हटाई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक अदालत ने सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के भाषणों के सीधे प्रसारण पर लगाई गई रोक हटा दी। पाकिस्तान इलेक्ट्रॉनिक मीडिया नियामक प्राधिकरण (पीईएमआरए) ने इमरान द्वारा 20 अगस्त को इस्लामाबाद में एक रैली के दौरान सरकारी संस्थाओं को धमकाने और भड़काऊ भाषण देने के बाद सैटेलाइट टीवी चैनलों पर उनके भाषणों का सीधा प्रसारण करने पर पाबंदी लगा दी थी। 'द डॉन' अखबार के मुताबिक, 69 वर्षीय इमरान की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने मुख्य न्यायाधीश अतहर मिनाल्लाह ने कहा कि नियामक ने 'अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन किया है।' उन्होंने पीईएमआरए को एक अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश भी दिया, जो अदालत में इस प्रतिबंध को जायज ठहरा सके। मामले की अगली सुनवई के लिए पांच सितंबर की तारीख निर्धारित की गई है। रैली में दिए संबोधन में इमरान ने अपने सहयोगी शाहबाज गिल के साथ किए गए व्यवहार को लेकर पुलिस के शीर्ष अधिकारियों, पाकिस्तान चुनाव आयोग और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ मामला दर्ज करने की धमकी दी थी। गिल को देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ पार्टी (पीटीआई) के प्रमुख इमरान ने गिल को दो दिन की पुलिस हिरासत में भेजने की मांग स्वीकारने वाली अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जेबा चौधरी को भी धमकी दी थी और उनके खिलाफ आपत्तिजनक का इस्तेमाल भी किया था। भाषण के कुछ घंटों बाद पुलिस, न्यायपालिका और अन्य सरकारी संस्थाओं को धमकाने के आरोप में इमरान के खिलाफ आतंकवाद निरोधी कानून के तहत मामला दर्ज किया गया था।

बांग्लादेश ने मोर्टार दागे जाने के मामले में म्यांमा के राजदूत को तलब किया

ढाका। बांग्लादेश ने रविवार को उसके क्षेत्र में दो मोर्टार दागे जाने की घटना पर विरोध जताने के लिए म्यामा के राजदूत आंग क्यॉ मोए को तलब किया। विदेश कार्यालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि रविवार दोपहर में घूमधूम सीमा पर दो मोर्टार गिरने के कुछ घंटे बाद राजदूत को तलब किया गया था। बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने कहा कि मोर्टार फटे नहीं और उन्हें बाद में निष्क्रिय कर दिया गया। विदेश सचिव मसूद बिन मोमीन ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''हमने तत्काल उन्हें (राजदूत को) बुलाया और अपना विरोध दर्ज कराते हुए उन्हें एक राजनयिक पत्र सौंपा।'' उन्होंने कहा, ''हमने उनसे यह सुनिश्चित करने को कहा कि इस तरह की घटना फिर नहीं हो।'' विदेश मंत्रालय और बीजीबी के अधिकारियों ने कहा कि म्यांमा सुरक्षा बलों के हेलीकॉप्टरों ने भी हाल में कम से कम दो बार बांग्लादेश के हवाई क्षेत्र में घुसपैठ की थी। आंग को 21 अगस्त के बाद दूसरी बार रविवार शाम को तलब किया गया था। अधिकारियों के अनुसार आंग को सख्ती से यह बात कही गयी थी कि म्यांमा की ये कार्रवाइयां एक मित्रवत पड़ोसी का काम नहीं हैं। उधर हजारों रोहिंग्या शरणार्थियों ने म्यांमा में सैन्य अभियान के कारण वहां से निकलने के पांच साल होने के मौके पर कॉक्स बाजार में अपने अस्थायी शिविरों में पिछले सप्ताह 'नरसंहार स्मृति दिवस' मनाया था। बांग्लादेश ने अगस्त 2017 से 10 लाख से अधिक रोहिंग्याओं को शरण दी है।

नेपाल में संघर्ष पीड़ितों और कार्यकर्ताओं ने खामियों को लेकर संयुक्त राष्ट्र को पत्र लिखा

काठमांडू। नेपाल सरकार द्वारा संसद में पेश 'संक्रमणकालीन न्याय संशोधन विधेयक' में ''कई खामियों'' का उल्लेख करते हुए संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारेस को संबोधित एक पत्र सोमवार को संघर्ष पीड़ितों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के एक समूह द्वारा संयुक्त राष्ट्र के स्थानीय संयोजक रिचर्ड हॉवर्ड को सौंपा गया। 'संक्रमणकालीन न्याय संशोधन विधेयक' पिछले महीने प्रतिनिधि सभा में पेश किया गया था। पत्र में कहा गया है, ''हमारा मानना है कि जिस विधेयक को सरकार संसद के माध्यम से त्वरित आधार पर आगे बढ़ाना चाहती है, वह गुनहगारों के अनुकूल है। यह न्याय के लिए नेपाल के संघर्ष (1996-2006) के पीड़ितों की वैध मांगों को दबाने का प्रयास करता है, और भविष्य में इस तरह के हिंसक संघर्षों की पुनरावृत्ति की संभावना को भी बढ़ाएगा।'' पत्र में कहा गया है कि ''संक्रमणकालीन न्याय विधेयक'' नेपाल के उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का पालन नहीं करता है और न्याय पर अंतरराष्ट्रीय सिद्धांतों का उल्लंघन करता है।'' अखबार 'काठमांडू पोस्ट' की एक खबर के अनुसार विधेयक कहता है कि उग्रवाद के दौरान ''क्रूर हत्या'' या यातना के बाद हत्या, बलात्कार, जबरन गायब करना और निहत्थे या आम लोगों के खिलाफ की गई बर्बरता मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है और माफी योग्य नहीं है। हालांकि, यह विधेयक गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन के तहत युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों को सूचीबद्ध नहीं करता है। विधेयक में पूर्व नाबालिग लड़ाकों की चिंताओं को दूर करने का कोई प्रावधान नहीं है।

जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से विश्व में फैल रही गंभीर बीमारियां : अध्ययन

लंदन । पृथ्वी पर बढ़ती गर्मी के चलते जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव इंसानों पर गंभीर बीमारी बनकर कहर बरपा रहे है। हर उम्र के लोग किसी न किसी बीमारी से जूझ रहे हैं। सर्दी, जुकाम से लेकर गंभीर बीमारियों का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। दुनियाभर में इन बीमारियों की वजह से हर साल करोड़ों लोग जान गंवा रहे हैं। विश्व का कोई भी कोना हो, हर तरफ बीमारियों की वजह से हाहाकार मचा हुआ है। मेडिकल साइंस की तमाम कोशिशों के बावजूद बीमारियों पर लगाम नहीं लग पा रहा है। आपने कभी सोचा है कि ऐसा क्यों हो रहा है? एक ताजा अध्ययन में बीमारियां फैलने की सबसे बड़ी वजह का खुलासा हुआ है, जिसे जानकर आप हैरान रह जाएंगे।

एक मेडिकल रिपोर्ट के मुताबिक, ताजा अध्ययन में खुलासा हुआ है कि बढ़ती बीमारियों की सबसे बड़ी वजह क्लाइमेट चेंज यानी जलवायु परिवर्तन है। स्टडी में पता चला है कि दुनियाभर में इंसानों को प्रभावित करने वाली 375 संक्रामक बीमारियों में से 58 फीसदी डिजीज का प्रकोप क्लाइमेट चेंज की वजह से बढ़ गया है। ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन जलवायु संबंधी खतरों को बढ़ा रहा है, जिसके कारण इंसान मौत के मुंह में जा रहे हैं। बैक्टीरिया और वायरस फैलने के लिए क्लाइमेट में बदलाव काफी हद तक जिम्मेदार हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि भविष्य में अगर क्लाइमेट चेंज को लेकर सख्त कदम नहीं उठाए गए तो परिस्थितियां ज्यादा गंभीर हो सकती हैं।

शोधकर्ताओं ने इन्फ्लुएंजा, मलेरिया और सार्स जैसे रोगों को प्रभावित करने वाले जलवायु खतरों की तलाश में 77000 से ज्यादा स्टडीज की जांच की। इनमें पता चला कि ज्यादा गर्मी, सूखा, जंगल की आग, अत्यधिक वर्षा, बाढ़, तूफान। समुद्र के लेवल में वृद्धि, महासागरीय जलवायु परिवर्तन और भूमिगत बदलाव बीमारियों की प्रमुख वजह बनकर सामने आए हैं। इन कारणों की वजह से मलेरिया, इंफ्लुएंजा, सार्स, अस्थमा, स्किन एलर्जी जैसे रोग गंभीर स्वास्थ्य समस्या बन रहे हैं। स्टडी के निष्कर्ष में पता चला कि जलवायु परिवर्तनों की वजह से 277 रोग बढ़ गए हैं। कुल मिलाकर शोधकर्ताओं ने पाया कि सभी संक्रामक रोगों में से 58 फीसदी ने दुनिया भर में इंसानों को बुरी तरह प्रभावित किया है।

महिला को नीलामी में खरीदें घर में गुप्त तिजोरी में मिले दूसरे विश्व युद्ध से जुड़े दस्तावेज, बुलाई पुलिस

लॉस एंजेलिस । अमेरिका में एक महिला ने एक आवास को नीलामी में खरीदा और उसके रिनोवेशन के दौरान उसे एक गुप्त तिजोरी मिली। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 28 साल की टिफनी मा कैलिफोर्निया के लॉस एंजेलिस में रहती हैं। उन्होंने अपने पार्टनर मैट के साथ मिलकर एक घर खरीदा और उसे रेनोवेट करने के बारे में सोचा। उन्होंने घर को नीलामी में खरीदा था और बिना देखे ही उसे ले लिया था। जब वो घर पहुंचीं तो उन्होंने पाया कि पुराने मालिक से जुड़ी कई चीजें पहले से ही उस घर में मौजूद हैं। पुराना टीवी सेट, सोफा, अन्य फर्नीचर उस घर में देखने को मिल रहे थे मगर अचानक टिफनी की नजर एक खुफिया तिजोरी पर गई जिसे पूरी तरह से सील कर दिया गया था।

महिला ने तुरंत उसे काटने के लिए लोगों को बुलाया और जब अंदर के सामान को देखा तो उसके होश उड़ गए। उसमें ऐसी-ऐसी चीजें थीं जिसे देखकर लग रहा था कि वो किसी को ब्लैकमेल करने के लिए रखी गई हैं। उस तिजोरी में किसी शख्स की महिलाओं के साथ आपत्तिजनक स्थिति में तस्वीरें थीं, इंगेजमेंट रिंग थी, इंश्योरेंस के कागज थे और दूसरे विश्व से जुड़ा एक चाकू था जिसमें नाजियों का निशान बना था। अपने इस पूरे अनुभव को टिफनी ने एक वीडियो के माध्यम से लोगों को बताया। हालांकि, रिपोर्ट के मुताबिक टिकटॉक पर उनका एक वीडियो इन्हीं सामानों को एक्सप्लोर करते हुए वायरल हो रहा है। टिफनी ने कहा कि जैसे ही उन्होंने ये तमाम चीजें देखीं तो वो समझ गईं कि जरूर ये सब किसी को ब्लैकमेल करने के लिए रखे गए होंगे इसलिए फौरन उन्होंने पुलिस को फोन कर दिया।

वेस्ट लंदन में नौटिंग हिल समारोह में भाग लेते हुए कलाकार।

कनाडा में सड़क का नाम एआर रहमान के नाम पर रखा गया, संगीतकार ने आभार जताया

न्यूयॉर्क। कनाडा के मरखम शहर में एक सड़क का नाम विश्व विख्यात संगीतकार एआर रहमान के नाम पर रखा गया है, जिसके बाद भारतीय गायक ने कहा कि वह अब कड़ी मेहनत करते रहने तथा लोगों को प्रेरित करने की अधिक जिम्मेदारी महसूस करते हैं। भारतीय फिल्म उद्योग में इस महीने तीन दशकों का सफर पूरा करने वाले रहमान ने कनाडा के ओंटारियो में मरखम के प्राधिकारियों के प्रति ट्विटर पर आभार व्यक्त किया। कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजे जा चुके रहमान(55) ने कहा, ''मैंने अपने जीवन में कभी इसकी कल्पना नहीं की थी। मैं आप सभी, कनाडा के मरखम के मेयर तथा काउंसिलर्स, भारतीय महावाणिज्य दूत (अपूर्व श्रीवास्तव) तथा कनाडा के लोगों का बेहद आभारी हूं।'' उन्होंने कहा, ''मुझे ऐसा लगता है कि इससे मुझे और अधिक काम करने तथा प्रेरित करने, न थकने और अभी न रुकने की बड़ी जिम्मेदारी मिली है। अगर मैं थक भी जाता हूं तो मैं याद रखूंगा कि मेरे पास करने के लिए और चीजें हैं, और लोगों से जुड़ना है, और पुलों को पार करना है।'' वह अभी अपने संगीत कार्यक्रम के सिलसिले में कनाडा में हैं। मरखम शहर ने एलान किया है कि रहमान के सम्मान में एक सड़क का नाम उनके नाम पर रखा जाएगा। संगीतकार ने कहा, ''ए आर रहमान नाम मेरा नहीं है। इसका मतलब है दयालु। दयालुता हम सभी के ईश्वर का गुण है और कोई व्यक्ति इस दयालुता का केवल सेवक हो सकता है इसलिए इस नाम को कनाडा में रह रहे सभी लोगों के लिए शांति, समृद्धि, खुशी तथा स्वास्थ्य लाने दीजिए।

इराक में श्रीलंका जैसा हाल, संसद से राष्ट्रपति भवन तक प्रदर्शन, देशव्यापी कर्फ्यू

बगदाद (एजेंसी)।

इराक में इरान समर्थक मोहम्मद अल सुदानी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाए जाने का विरोध अचानक हिंसकहो गया। श्रीलंका की तरह वहां भी विरोध जताने के लिए हजारों प्रदर्शनकारी संसद में दाखिल हो गए। जिसकी वजह से हालात बेकाबू हो गए। इराक की राजधानी बगदाद से जो तस्वीरें सामने आई उसमें हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी दीवारें फांद कर संसद के अंदर दाखिल होते दिखाई दिए। एक अन्य तस्वीर में विरोध कर रहे लोग संसद में अंदर हंगामा करते नजर आए। खबर है कि जिस इलाके में प्रदर्शनकारियों ने कब्जा जमाया है वहां न केवल संसद है बल्कि तमाम देशों के दूतावास भी हैं।

इराक के प्रभावशाली शिया धर्मगुरु मुक्तदा अल-सदर द्वारा राजनीति से हटने की घोषणा के बाद सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने बगदाद में इराकी संसद पर धावा बोल दिया। नाराज अनुयायियों ने महल के फाटकों की ओर जाने वाले अवरोधों को गिराने के लिए रस्सियों का इस्तेमाल किया और सुरक्षा बलों से भिड़ गए। इस दौरान अल-सद्र के समर्थकों और सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़प हुई जिसमें कम से कम 15 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई। इराक की सेना ने बढ़ते तनाव को शांत करने के उद्देश्य से शहर भर में कर्फ्यू की घोषणा कर दी। इराक के कार्यवाहक प्रधानमंत्री मुस्तफा अल-कदीमी ने कैबिनेट का सत्र निलंबित कर दिया।

बता दें कि इराक में 10 अक्टूबर को आम चुनाव हुए है, जिसे 2003 में सद्दाम हुसैन के अमेरिका द्वारा अपदस्थ करने के बाद का पांचवां संसदीय चुनाव कहा गया। अक्टूबर 2021 में हुए चुनाव में अल-सदर के गुट ने 73 सीटें जीती थीं। अल-सदर चुनाव में 329 सीटों वाली संसद में सबसे बड़ा गुट बन गया था, लेकिन वोटिंग के बाद से नई सरकार के गठन की बातचीत रुक गई है। अल-सद्र ने बातचीत की प्रक्रिया से खुद को बाहर कर लिया। नई सरकार के गठन को लेकर गतिरोध बना हुआ है।

पाकिस्तान में बाढ़ के कारण मृतकों की संख्या 1136 हुई

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान में आई विनाशकारी बाढ़ के कारण मरने वालों की संख्या सोमवार को 1136 हो गई। देश में आर्थिक संकट के बीच प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार की अपील के बाद अंतरराष्ट्रीय सहायता पहुंचने लगी है। बाढ़ की विभीषिका का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि 3.3 करोड़ लोगों को यानी देश की कुल आबादी के करीब सातवें हिस्सा को विस्थापित होना पड़ा है। पाकिस्तानी जलवायु परिवर्तन मंत्री शेरी रहमान ने इसे दशक का सबसे भयावह मानसून कहा, वहीं वित्त मंत्री मिफ्ता इस्माइल ने कहा कि बाढ़ के कारण पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को 10 अरब डॉलर तक का नुकसान हुआ है।

प्राकृतिक आपदाओं से निपटने वाले मुख्य राष्ट्रीय संगठन राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा सोमवार को जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, बाढ़ के कारण कम से कम 1136 लोग मारे गए हैं जबकि 1,634 लोग घायल हुए हैं। प्राधिकरण ने कहा कि करीब 9,92,871 घर पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं जिससे लाखों लोग भोजन व स्वच्छ पेयजल आदि से वंचित हो गए हैं। इसके साथ ही करीब 7.19 लाख पशु भी मारे गए हैं और लाखों एकड़ उपजाऊ भूमि लगातार बारिश से जलमग्न हैं।

'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने कहा कि मृतकों की संख्या काफी अधिक हो सकती है क्योंकि खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हजारों गांव देश के बाकी हिस्सों से कटे हुए हैं और नदियों में उफान से सड़कें और पुल क्षतिग्रस्त हो गए हैं। 'जियो टीवी' की एक खबर के अनुसार, पाकिस्तान के ऊर्जा मंत्रालय ने कहा कि सिंध और बलूचिस्तान प्रांतों में बिजली की बहाली सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस भीषण आपदा का सामना करने में मुश्किलों से जूझ रहे पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय मदद मांगी है और कई देशों ने एकजुटता संदेशों के साथ मानवीय सहायता भेजी है।

अफगानिस्तान में आईएसआईएल-के की उपस्थिति काफी बढ़ी, भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बताया

जिनेवा (एजेंसी)।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से कहा कि अफगानिस्तान में आईएसआईएल-के की उपस्थिति काफी बढ़ी है। साथ ही भारत ने आगाह किया कि पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे प्रतिबंधित संगठनों के बीच संबंध और अन्य आतंकवादी संगठनों के भड़काऊ बयान क्षेत्र की शांति एवं स्थिरता के लिए खतरा हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा, जैसा कि हमने सुरक्षा परिषद में बार-बार कहा है.. एक निकटवर्ती पड़ोसी और लंबे समय से हमारे साझेदार होने, अफगानिस्तान के लोगों के साथ हमारे मजबूत ऐतिहासिक तथा सभ्यतागत संबंधों के मद्देनजर अफगानिस्तान में शांति एवं स्थिरता की वापसी सुनिश्चित करने के संबंध में भारत के सीधे हित जुड़े हैं।'' रूस के अनुरोध पर अफगानिस्तान पर बुलाई गई संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की बैठक में कंबोज ने इस बात पर जोर दिया कि आतंकवाद पर 1988 प्रतिबंध समिति की 'एनालिटिकल सपोर्ट एंड द सैंक्शन मॉनिटरिंग टीम की रिपोर्ट के हालिया निष्कर्ष बताते हैं कि अफगानिस्तान में मौजूदा अधिकारियों को अपनी आतंकवाद रोधी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए और अधिक कड़ी कार्रवाई करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, देश में आईएसआईएल-के की मौजूदगी और हमले करने की उनकी ताकत में काफी वृद्धि हुई है। (कथित रूप से अफगानिस्तान स्थित) आईएसआईएल-के अन्य देशों के लिए भी आतंकवाद संबंधी खतरा उत्पन्न करता है।''

सुरक्षा चिंताओं के बीच आईएईए की टीम यूक्रेन के परमाणु संयंत्र की जांच करेगी

बर्लिन (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र के परमाणु नियामक अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की एक टीम ने यूक्रेन में जारी संघर्ष के बीच सोमवार को जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र की यात्रा शुरू की। परमाणु संयंत्र का निरीक्षण आईएईए का बहुप्रतीक्षित मिशन है, जिसके माध्यम से दुनिया को एक तबाही से बचाने की कवायद की जा सकेगी। आशा की दुर्लभ किरणों के बीच यूक्रेन और रूस ने फिर से एक-दूसरे पर संयंत्र के चारों ओर व्यापक क्षेत्र पर गोलाबारी करके संघर्ष को भड़काने का आरोप लगाया है,जो पिछले सप्ताह से कुछ थम सा गया था।

इस प्रकार की त्रासदी से बचने के लिए आईएईए के महानिदेशक रफेल ग्रोसी ने काफी समय पहले से यूरोप के सबसे बड़े जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र में विशेषज्ञों के प्रवेश की अनुमति मांग रखी थी। यूक्रेन के साथ युद्ध शुरू होने के शीघ्र बाद रूसी सैन्यबलों ने जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र पर कब्जा कर लिया था। ग्रोसी ने ट्वीट किया, ''आखिर वह दिन आ गया। सहयोग एवं सहायता मिशन...रवाना हो चुका है।'' ग्रॉसी ने अधिक सटीक समयरेखा प्रदान नहीं की या 13 अन्य विशेषज्ञों के साथ अपनी तस्वीर पोस्ट करने के अलावा और कोई विवरण नहीं दिया।

आईएईए ने ट्वीट किया कि विशेषज्ञ संयंत्र को भौतिक रूप से हुए नुकसान का आकलन करेंगे, '' सुरक्षा प्रणालियों की कार्यक्षमता का पता लगाएंगे'' और कर्मचारियों की स्थिति सहित अन्य चीजों का मूल्यांकन करेंगे। रूस और यूक्रेन ने इस परमाणु ऊर्जा संयंत्र में या उसके आस-पास हाल ही में रॉकेट तथा तोपों से हमलों का दावा किया है। इन हमलों से विकिरण का रिसाव बढ़ने की आशंका तेज हो गई है। ऐसे में विशेषज्ञों के जल्द वहां पहुंचने की खबर बेहद महत्वपूर्ण है। यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने कहा कि इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं है कि यह मिशन आईएईए के इतिहास का सबसे कठिन मिशन होगा।

कुलेबा ने स्टॉकहोम में कहा, ''हम (आईएईए) मिशन से सभी परमाणु सुरक्षा प्रोटोकॉल के उल्लंघन के तथ्यों के स्पष्ट बयान की उम्मीद करते हैं। हम जानते हैं कि रूस न केवल यूक्रेन, बल्कि पूरी दुनिया को परमाणु दुर्घटना के खतरे में डाल रहा है।'' मॉस्को में क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने यूक्रेन पर संयंत्र में और उसके आसपास गोलाबारी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''हमारा मानना ??है कि सभी देशों को यूक्रेन पर दबाव बनाना चाहिए और उसे जापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र और आसपास के क्षेत्रों में गोलाबारी करके यूरोपीय महाद्वीप को खतरे में डालने से रोका जाना चाहिए।''

यूक्रेन की परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने एक नक्शे के जरिये अपना पूर्वानुमान पेश किया है कि रूसी सेना के नियंत्रण वाले जापोरिज्जिया संयंत्र से किन-किन इलाकों में विकिरण फैल सकता है। यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय ने दक्षिणी खेरसॉन क्षेत्र में भारी जंग जारी रहने और कई यूक्रेनी हमलों की सूचना दी है। खेरसॉन क्षेत्र में से अधिकांश पर रूसियों का कब्जा है।

रूस ने दुगिना की मौत मामले में दूसरे संदिग्ध की पहचान की

मास्को (एजेंसी)।

रूस की शीर्ष सुरक्षा एजेंसी ने सोमवार को एक अन्य यूक्रेनी संदिग्ध की पहचान की और आरोप लगाया कि वह रूसी राष्ट्रवादी विचारक अलेक्जेंडर दुगिन की बेटी की हत्या में शामिल था। रूस की संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) ने कहा कि यूक्रेनी नागरिक बोगदान सिगानेंको ने अलेक्जेंडर दुगिन की बेटी दरिया दुगिना की हत्या की तैयारी में मदद की। दुगिन को पश्चिमी देशों में कुछ लोग ''पुतिन का दिमाग'' कहते हैं। एफएसबी ने आरोप लगाया कि सिगानेंको ने मुख्य संदिग्ध नताल्या वोवक को एक जाली पहचानपत्र व जाली लाइसेंस प्लेट मुहैया कराई थी तथा विस्फोटक उपकरण को जोड़ने में उसकी मदद की थी, जो दुगिना की कार में लगाया गया था।

एफएसबी ने कहा कि 44 वर्षीय सिगानेंको 30 जुलाई को एस्टोनिया के रास्ते रूस पहुंचा और उसने हत्या से एक दिन पहले देश छोड़ दिया। अधिकारियों ने कहा कि एक राष्ट्रवादी रूसी टीवी चैनल में समीक्षक दुगिना (29) की उस समय मौत हो गई थी, जब 20 अगस्त की रात उसकी एसयूवी में लगाए गए विस्फोटक उपकरण में एक रिमोट कंट्रोल से विस्फोट किया गया था। यह घटना उस समय हुई थी, जब दुगिना मास्को के बाहरी इलाके में सफर कर रही थीं। इस विस्फोट से वाहन में आग लग गई थी और दुगिना की मौके पर ही मौत हो गई थी। दुगिना और उसके पिता दुगिन, दोनों ने यूक्रेन में सेना भेजने के रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के फैसले का जोरदार समर्थन किया था।

दुगिन एक दार्शनिक, लेखक और राजनीतिक सिद्धांतकार हैं। एफएसबी ने कहा कि दुगिना की हत्या का षड्यंत्र ''यूक्रेन की विशेष सेवाओं द्वारा तैयार और नियोजित'' किया गया था तथा वोवक पर हत्या को अंजाम देने और फिर एस्टोनिया भागने का आरोप लगाया गया है। एफएसबी के अनुसार, वोवक जुलाई में अपनी 12 वर्षीय बेटी के साथ रूस पहुंची और उस इमारत में एक अपार्टमेंट किराए पर लिया, जहां दुगिना रहती थी। एजेंसी ने आरोप लगाया कि वोवक और उसकी बेटी ने उस राष्ट्रवादी उत्सव में भी हिस्सा लिया था, जिसमें दुगिन और उनकी बेटी हत्या से ठीक पहले शामिल हुए थे।

एजेंसी ने सोमवार को कहा कि सिगानेंको ने वोवक को कजाकिस्तानी लाइसेंस प्लेट और यूलिया जाइको नाम से एक जाली कजाकिस्तानी पहचानपत्र प्रदान किया था। हालांकि, यूक्रेन ने दुगीना की मौत में किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया है। वहीं, एस्टोनियाई अधिकारियों ने कहा कि उन्हें वोवक के संबंध में रूस से कोई औपचारिक अनुरोध नहीं मिला है।

हांगकांग के खिलाफ प्रयोग के साथ ही बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

अश्विन और बिश्नोई को मिल सकता है अवसर

दुबई (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम एशिया कप क्रिकेट के ग्रुप ए के अपने दूसरे मुकाबले में बुधवार को नई टीम हांगकांग पर बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले मुकाबले में पाकिस्तान को हराया था और अब उसका लक्ष्य जीत की इस लय को बरकरार रखना होगा। हांगकांग की टीम क्वालीफायर मुकाबला जीतकर इस टूर्नामेंट की छठी टीम जरुर बनी है पर भारतीय टीम के सामने वह कहीं नहीं टिकती। ऐसे में भारतीय टीम इस मुकाबले का उपयोग प्रयोग के तौर पर करते हुए टीम में बदलाव कर सकती है। ऐसे में इस मैच में स्पिनर युजवेंद्र चहल और रविन्द्र जडेजा को आराम देकर उनकी जगह अनुभवी रविचंद्रन अश्विन और रवि बिश्नोई को भी उतारा जा सकता है।

वहीं पहले मैच में विफल रहे बल्लेबाज लोकेश राहुल इस मैच से अपनी लय वापस हासिल करने का प्रयास करेंगे। भारतीय टीम के लिए इस मैच में अपने कमजोर पक्ष को ठीक करने का अच्छा अवसर है। हांगकांग की टीम में अधिकतर भारतीय और पाक मूल के खिलाड़ी हैं।

भारतीय बल्लेबाजों का प्रयास इस मैच में अधिक से अधिक रन बनाना रहेगा। इसके अलावा भारतीय कप्तान का ध्यान आगामी टी20 विश्व कप को देखते हुए इस मैच से बेहतर संयोजन तलाशना भी रहेगा।

इसके बाद भी हांगकांग को हल्के में नहीं लिया जा सकता क्योंकि उसने क्वालीफाइंग मुकाबलों में सभी तीनो मैच जीते थे। कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि इस मैच में प्रयोग जारी रहेंगे , ऐसे में बल्लेबाजी क्रम में बदलाव से किसी को हैरान नहीं होना चाहिये। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को भी इस मैच से अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा।

कप्तान रोहित पाक के खिलाफ बड़ी पारी नहीं खेल पाये थे , उनका लक्ष्य भी इस मैच में रन बनाना रहेगा। पाक के खिलाफ चौथे नंबर पर अब किस नंबर पर भेजा जाएगा यह देखना होगा। इसके अलावा अनुभवी दिनेश कार्तिक की जगह विकेटकीपर के तौर पर ऋषभ पंत को अवसर मिलता है या नहीं यह भी देखना होगा। पाक टीम के खिलाफ मुकाबले में तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी के नहीं होने के बाद भी भारतीय टीम का शीर्ष क्रम उस अंदाज में नहीं खेल पाया था जैसा उसे खेलना था। ऐसे में इस मैच से बल्लेबाजों को आक्रामक रुख को अभ्यास करने का अवसर मिलेगा।

प्रणय जापान ओपन के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

ओसाका (एजेंसी)।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय ने मंगलवार को यहां पहले दौर के मैच में अपने प्रतिद्वंद्वी एनजी का लोंग एंगस के बीच में ही हट जाने से जापान ओपन के पुरुष एकल के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

हांगकांग के विश्व में 12वें नंबर के खिलाड़ी एंगस ने जब हटने का फैसला किया तब गैर वरीयता प्राप्त प्रणय 11-10 से आगे चल रहे थे। उस समय तक केवल सात मिनट का खेल हुआ था। विश्व की 18वें नंबर का भारतीय खिलाड़ी अब दूसरे दौर में सिंगापुर के पूर्व विश्व चैम्पियन लोह कीन यू का सामना करेगा।

प्रणय शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह टोक्यो में विश्व चैंपियनशिप के दौरान दो बार के विश्व चैंपियन केंटो मोमोटा तथा हमवतन और राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता लक्ष्य सेन को हराया था। लेकिन वह क्वार्टर फाइनल में चीन के झाओ जुनपेंग से हार गए थे।

शाहीन टी20 वर्ल्ड कप से पहले फिट हो जाएंगे: पीसीबी

लाहौर (एजेंसी)।

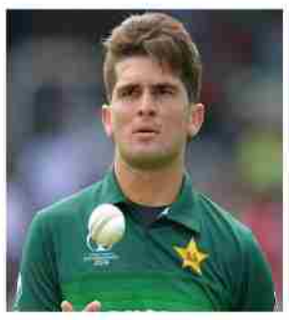

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अनुसार तेज गेंदबाज पेसर शाहीन शाह अफरीदी अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप तक फिट हो जाएंगे। पीसीबी के अनुसार शाहीन को चोटिल होने के कारण इलाज के लिए इंग्लैंड भेजा गया है। शहीन अब लंदन में इलाज और रिहैबिलिटेशन के दौर से गुजरेंगे।

अफरीदी चोट के कारण ही एशिया कप से भी बाहर हैं। वह टीम के साथ यूएई आए थे पर फिट नहीं हो पाने के कारण उन्हें इलाज के लिए लंदन जाना पड़ा। इस युवा तेज गेंदबाज को पिछले माह श्रीलंका दौरे में पहले टेस्ट मैच में फील्डिंग के दौरान यह चोट लगी थी। इसी कारण वह श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट और नीदरलैंड में एकदिवसीय सीरीज से भी बाहर रहे थे। इसके बाद उन्हें एशिया कप से भी बाहर होना पड़ा। एक रिपोर्ट के अनुसार पीसीबी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नजीबुल्लाह सूमरो ने कहा कि शाहीन को घुटने में चोट के कारण विशेष देखभाल चाहिये।

उन्होंने कहा, 'लंदन में विश्व की बेहतर खेल चिकित्सा और रिहैबिलिटेशन की सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसी कारण उन्हें लंदन भेजा गया है। वहां हमारी मेडिकल टीम उनका ध्यान रखेगी। हमें भरोसा है कि शाहीन विश्व कप से पहले पूरी तरह से फिट हो जाएंगे। शाहीन पाक टीम के मुख्य तेज गेंदबाज हैं। उन्होंने अभी तक अभी तक 25 टेस्ट, 32 एकदिवसीय और 40 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं।

विराट ने पाक खिलाड़ी को उपहार में दी जर्सी

दुबई (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के बाद पाक टीम के तेज गेंदबाज हारिस रउफ से बात कर उन्हें अपने हस्ताक्षर वाली एक जर्सी उपहार में दी थी। इसका एक वीडियो भी बीसीसीआई ने साझा किया है। इस वीडियो में दोनों देशों के खिलाड़ी एक-दूसरे से मिलने नजर आ रहे हैं। भारत-पाक मैच समाप्त होते ही रउफ पूर्व भारतीय कप्तान विराट से मिलने पहुंच गए। इस दौरान रउफ ने कोहली से काफी देर बात की। इसी दौरान विराट ने रउफ को अपने हस्ताक्षर वाली जर्सी दी।

गौरतब है कि विराट के पाक में भी काफी प्रशंसक हैं। ऐसे में पाक खिलाड़ियों को जब भी अवसर मिलता है, तो वे कोहली का ऑटोग्राफ लेना नहीं भूलते। तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी चोटिल होने के कारण इस बार एशिया कप से इलाज के लिए सीधे लंदन चले गये हैं पर इससे पहले उन्होंने भी भारतीय खिलाड़ियों युजवेंद्र चहल, विराट कोहली, ऋषभ पंत आदि से मुलाकात की थी। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और पाक कप्तान बाबर आजम की बातचीत का एक वीडियो भी हाल ही में वायरल हुआ था।

अमरीकी ओपन चैम्पियन मेदवेदेव और मर्रे जीते, हालेप उलटफेर का शिकार

न्यूयॉर्क। पिछले चैम्पियन दानिल मेदवेदेव ने अमरीकी ओपन के पहले दौर में स्टीफन कोजलोव को 6.2, 6.4, 6.0 से हराया। वहीं दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी सिमोना हालेप को यूक्रेन की डारिया स्निगुर ने 6.2, 0.6, 6.4 से हराकर उलटफेर कर दिया। जीत के बाद स्निगुर अपने आंसुओं पर काबू नहीं रख सकी क्योंकि उनके परिवार और रूस के हमले से जूझ रहे देश के लिए यह जीत काफी मायने रखती हैं। मेदवेदेव का सामना अब फ्रांस के आर्थर रिंडरनेश से होगा। एंडी मर्रे ने अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को कारूनडोलो को 7.5, 6.3, 6.3 से हराया। चौथी वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सिटसिपास को क्वालीफायर डेनियल इलाही गालान ने 6.0, 6.1, 3.6, 7.5 से हराया। वहीं 2020 के चैम्पियन डोमिनिक थीम चार सेटों में पाब्लो कारेनो बस्टा से हार गए। 2016 के विजेता स्टान वावरिंका को चोट के कारण कोरेंटिन मूटेट के खिलाफ मुकाबला दूसरे सेट के टाइब्रेकर में हारने के बाद छोड़ना पड़ा। बियांका आंद्रिस्कू ने फ्रांस की हारमनी टैन को तीन सेटों में मात दी। दुनिया के 29वें नंबर के खिलाड़ी टॉमी पॉल ने बर्नाबी जापाटा मिरालेस को 4.6, 6.3, 2.6, 6.0, 7.5 से हराया।

चीनी खिलाड़ी का खुलासा , मैच फिक्स करते हैं कोच और अधिकारी

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन की एक महिला बैडमिंटन खिलाड़ी ये झाओयिंग ने कोच ओर अधिकारियों पर मैच फिक्स करने के आरोप लगाते हुए कहा है कि साल 2000 में सिडनी ओलंपिक के दौरान उसे चीनी खेल अधिकारियों ने जानबूझकर मैच हारने के आदेश दिये थे। इसके लिए उसे बोनस भी दिया गया था। झाओयिंग के अनुसार कोच के इस आदेश के बाद उसे बेहद निराश हुई थी पर उसके सामने कोई रास्ता नहीं था। झाओयिंग के अनुसार चीनी अधिकारियों का मानना था कि उसके फाइनल में जीतने की अधिक संभावनाएं नहीं हैं , इसलिए उसे अपने ही देश की गोंग झीचाओ के खिलाफ महिला एकल सेमीफाइनल को हारना होगा। झाओयिंग के अनुसार मुख्य कोच ली योंगबो और महिला एकल के मुख्य कोच तांग जुएहुआ ने मैच से एक रात पहले उससे कहा कि उन्हें जानबूझकर हारना है। झाओयिंग ने कहा कि ऐसे फरमान पर आप बहुत बेबस महसूस करते हैं क्योंकि आप पूरे सिस्टम के खिलाफ अकेले हैं। ओलंपिक एक एथलीट के रूप में जीवन में लगभग एक बार मिलने वाला अवसर है, इसलिए जब आपको खुद को हारने देना होता है तो यह वास्तव में दुखद होता है। कोच ने यह भी कहा था कि उसे हार में बहुत स्पष्ट नहीं होना है और उसे मैच को तीसरे राऊंड तक नहीं ले जाना है और गोंग को थकने नहीं देना है। इसके लिए उनको 16,300) का बोनस ऑफर दिया गया, जो एक ओलंपिक चैंपियन को भी दिया गया था। झाओयिंग सेमीफाइनल में गोंग से 11-8, 11-8 से हार गई।

धीमी ओवर गति के लिए भारत-पाकिस्तान पर जुर्माना

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने रविवार को हुए एशिया कप मुकाबले में धीमी ओवर गति के लिए दोनो ही टीमों भारत और पाकिस्तान पर जर्माना लगाया है। इसके अलावा आईसीसी के नये नियम के तहत ही दोनों ही टीमों को अपनी गेंदबाजी के अंतिम चरण में 30-यार्ड सर्कल के अंदर एक अतिरिक्त क्षेत्ररक्षक रखना पड़ा। इसमें रन गति प्रति ओवर सुधारने के प्रावधान हैं।

आईसीसी ने कहा कि दोनो ही टीमें एशिया कप के अपने मैच के दौरान निर्धारित समय में 20 ओवर पूरी नहीं कर पायीं। इसलिए दोनों को आखिरी ओवरों में 30-यार्ड सर्कल के अंदर एक अतिरिक्त क्षेत्ररक्षक लगाने की सजा दी गयी। पिछले साल आईसीसी क्रिकेट समिति द्वारा इस बदलाव की सिफारिश की गई थी। यह एक संगठन है जो सभी प्रारूपों में खेलने की गति में सुधार करने के लिए बैठता है। संशोधित खेल हालातों में खेला गया पहला मैच वेस्टइंडीज और आयरलैंड के बीच खेला गया टी-20 मैच था जिसमें इस कारण जुर्माना लगाया गया था।

भारत ने इस मैच में पहले गेंदबाजी करते हुएनिर्धारित समय में 18 ओवर से कम गेंदबाजी की थी, जिसके कारण भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को अंतिम दो ओवरों के लिए सर्कल के अंदर पांच क्षेत्ररक्षकों रखने की इजाजत मिलने थी। वहीं पाक के गेंदबाजों ने भी काफी समय लिया। उन्होंने उसी प्रतिबंध के तहत अंतिम तीन ओवर फेंकने की जरूरत थी।

भारत से मिली हार के बाद पाकिस्तान ले सकता है बड़ा फैसला, टूट सकती है बाबर-रिजवान की जोड़ी

दुबई (एजेंसी)।

एशिया कप के महा मुकाबले में भारत और पाकिस्तान की टीम आमने-सामने थी। रविवार को खेले गए मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हराया। पाकिस्तान की बल्लेबाजी पूरी तरह से फ्लॉप रही जिसका नतीजा यह रहा कि पाकिस्तान की टीम 147 रन का स्कोर खड़ा कर सकी। पाकिस्तान का मध्यक्रम तो पहले ही कमजोर माना जा रहा था। पाकिस्तान टीम की पूरी जिम्मेदारी मोहम्मद रिजवान और कप्तान बाबर आजम पर थी। लेकिन दोनों बल्लेबाज फ्लॉप हुए। इसके बाद माना जा रहा है कि ओपनिंग में दोनों बल्लेबाजों की जोड़ी टूट सकती हैं। हार के बाद पाकिस्तान के पूर्व मुख्य कोच मिकी आर्थर का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि बाबर आजम और रिजवान की ओपन जोड़ी को अलग करना चाहिए।

इसके लिए उन्होंने अपनी दलील भी दी है। उन्होंने कहा है कि फखर ज़मान को सलामी बल्लेबाजी की जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। फखर ज़मान अलग तरह की बल्लेबाजी करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों ही बल्लेबाजों को अलग करने के बाद पाकिस्तान का मध्यक्रम मजबूत हो सकता है। पहले इन्हीं बल्लेबाजों की बदौलत पाकिस्तान की टीम कम से कम 160 रन जरूर बनाती थी। लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। जिस का सबसे बड़ा कारण यही रहा कि मोहम्मद रिजवान और बाबर आजम पूरी तरह फ्लॉप रहे। दबाव के हालात में हार्दिक पंड्या के हरफनमौला प्रदर्शन के दम पर भारत ने एशिया कप में अपने पहले मुकाबले में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को पांच विकेट से हरा दिया था। हार्दिक ने पहले गेंदबाजी में अपनी उपयोगिता साबित करते हुए चार ओवर में 25 रन देकर तीन विकेट लिये जिसके दम पर भारत ने पाकिस्तान को 19.5 ओवर में 147 रन पर समेट दिया। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए 17 गेंद में नाबाद 33 रन बनाये और रविंद्र जडेजा (29 गेंद में 35 रन) के साथ 52 रन की साझेदारी करके भारत को जीत दिलाई। हारिस रऊफ के डाले 19वें ओवर में पंड्या के तीन चौकों ने मैच का पासा पलट दिया। भारत को आखिरी तीन गेंद में छह रन की जरूरत थी और हार्दिक ने बायें हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाज को छक्का लगाकर दो गेंद बाकी रहते भारत को जीत दिलाई। इससे पहले भारत के शीर्षक्रम के बल्लेबाजों ने निराश किया। केएल राहुल खाता भी नहीं खोल सके जबकि कप्तान रोहित शर्मा 18 गेंद में 12 रन बनाकर आउट हुए। विराट कोहली ने 34 गेंद में 35 रन बनाये लेकिन बड़ी पारी की ओर बढते हुए वह गैर जिम्मेदाराना शॉट खेलकर आउट हुए। पाकिस्तान के लिये पदार्पण कर रहे नसीम शाह ने भारतीय बल्लेबाजों को काफी परेशान किया।

नेमार के गोल से पीएसजी ने मोनाको से ड्रा खेला

पेरिस। नेमार ने पहले पेनल्टी हासिल की और फिर उसे गोल में बदला जिससे पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने फ्रांसीसी फुटबॉल लीग के एक मैच में अधिकतर समय पिछड़ने के बावजूद मोनाको से 1-1 से ड्रॉ खेला। नेमार ने रविवार को खेले गए इस मैच में लियोनेल मेसी के पास पर मोनाको के डिफेंडर गुलेर्मो मरिपन की गलती से पेनल्टी हासिल की। रैफरी ने पहले पेनल्टी नहीं दी थी लेकिन वीडियो समीक्षा के बाद उन्होंने पीएसजी को पेनल्टी दे दी जिसे गोल में बदलने में नेमार ने कोई गलती नहीं की। नेमार का यह फ्रांसीसी लीग में छठा गोल और कुल मिलाकर पिछले 5 मैचों में 8वां गोल है। पीएसजी के अब 10 अंक हो गए हैं और वह अपने चिर प्रतिद्वंदी मार्सेली और लेंस से गोल अंतर में आगे हैं। मोनाको का भाग्य ने साथ नहीं दिया तथा 20वें मिनट में गोल करने के बावजूद उसे अंक बांटने पड़े।

पाक के पूर्व हॉकी कप्तान का शव अस्पताल ने परिवार को नहीं सौंपा

लाहौर । पाकिस्तान में पूर्व खिलाड़ियों की बदहाली और संवेदनहीन रवैये का और मामला सामने आया है। बकाया राशि नहीं मिलने के कारण पूर्व ओलंपियन और हॉकी टीम के पूर्व कप्तान मंजूर हुसैन के शव को एक निजी अस्पताल ने कई घंटे तक परिवार को नहीं सौंपा। 64 साल मंजूर की हृदय गति रुकने से मौत हो गई थी। वह 1976 और 1984 ओलंपिक में कांस्य और स्वर्ण पदक जीतने वाली पाक टीम में शामिल थे। वह 1978 और 1982 में विश्व कप जीतने वाली हॉकी टीमों में भी रहे थे। हुसैन दिल की बीमारी से पीड़ित थे और उनकी तबीयत बिगड़ने के बाद सोमवार सुबह उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया था। इस खिलाड़ी का इलाज लाहौर के शालीमार अस्पताल में हो रहा था। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सरकार के एक अधिकारी ने कहा कि अस्पताल प्रबंधन ने इलाज की बची हुई राशि अदा नहीं किये जाने के कारण इस पूर्व खिलाड़ी के शव को कई घंटे तक परिवार को नहीं सोंपा था। इस मामले में जब पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने हस्तक्षेप किया और अस्तपाल को बची हुई रकम दी गयी। इसके बाद ही उनका शव परिवार को दिया गया।

झूलन की जगह भरना नामुमकिन, क्रिकेट के प्रति उनका जुनून बेजोड़ : हरमनप्रीत

बेंगलुरू (एजेंसी)।

भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने क्रिकेट में झूलन गोस्वामी के योगदान को याद करते हुए कहा कि इस अनुभवी तेज गेंदबाज का खेल के प्रति जुनून बेजोड़ है और टीम में कोई भी उनकी जगह नहीं भर सकता है। पिछले दो दशक से भारतीय गेंदबाजी की अगवा रही 39 वर्षीय झूलन 24 सितंबर को इंग्लैंड के खिलाफ लार्ड्स में तीसरा और अंतिम एकदिवसीय मैच खेल कर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगी।

झूलन के नाम पर अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड दर्ज है। हरमनप्रीत ने टीम के इंग्लैंड दौरे के लिए रवाना होने की पूर्व संध्या पर मीडिया से बातचीत में कहा, 'वह प्रत्येक मैच में उसी तरह के जुनून के साथ उतरती हैं जो कि बेजोड़ है। कोई उनका मुकाबला नहीं कर सकता।' हरमनप्रीत ने विश्व कप 2009 में पाकिस्तान के खिलाफ झूलन की कप्तानी में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। उनकी इस दिग्गज भारतीय तेज गेंदबाज के साथ कई यादें जुड़ी हैं जिनके नाम पर 201 वनडे में रिकॉर्ड 252 विकेट दर्ज हैं।

झूलन इस प्रारूप में 200 से अधिक विकेट लेने वाली एकमात्र गेंदबाज हैं। हरमनप्रीत ने कहा, 'जब मैंने पदार्पण किया था तब वह कप्तान थी। यह मेरे लिए शानदार अवसर है कि जब वह अपना अंतिम वनडे खेलेंगी तो मैं कप्तानी का जिम्मा संभालूंगी। जब मुझे टीम में जगह मिली तो वह एकमात्र खिलाड़ी थी जो आगे बढ़कर नेतृत्व करती थी। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। कोई भी उनकी जगह नहीं ले सकता है।'

उन्होंने कहा, 'वह एक ऐसी खिलाड़ी हैं जो हमेशा एक ही तरह का प्रयास करती हैं। वह दो-तीन घंटे गेंदबाजी करती हैं। वह अब भी उसी तरह की कड़ी मेहनत करती हैं जैसे कि अपने शुरुआती दिनों में किया करती थी।' हरमनप्रीत ने कहा, 'आपको शायद ही कोई ऐसी गेंदबाज दिखे जो उनकी तरह नेट पर कड़ी मेहनत करता हो। क्रिकेट के प्रति उनमें जिस तरह का जुनून है वह किसी में नहीं है।'

उन्होंने कहा, 'एक क्रिकेटर के तौर पर और एक व्यक्ति के रूप में मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। वह हम सभी के लिए बहुत अच्छा उदाहरण हैं। देश में कई खिलाड़ियों ने उनको खेलते हुए देखकर यह खेल अपनाया।' झूलन ने इस साल मार्च में न्यूजीलैंड में खेले गए वनडे विश्व कप में हिस्सा लिया था लेकिन वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत के अंतिम ग्रुप मैच से पहले चोटिल हो गई थी। इस कारण वह जुलाई में श्रीलंका दौरे पर भी नहीं जा पाई थी।

हॉकी विश्वकप ड्रॉ तय समय पर होगा: एफआईएच

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने कहा है कि अगले साल होने वाला विश्वकप ड्रॉ तय समय पर ही होगा। एफआईएच के अनुसार इस विश्वकप ड्रॉ पर किसी भी प्रकार का खतरा नहीं है। एफआईएच के अनुसार वह हॉकी इंडिया के नये संविधान मसौदे से संतुष्ट हैं। उसका कहना है कि वर्तमान समय में भारत में हॉकी का संचालन करने वाली प्रशासकों की समिति (सीओए) द्वारा भेजा गया संशोधित मसौदा संविधान पूरी तरह से उसके नियमों के अनुसार ही है। एफआईएच ने यह भी कहा कि अगले साल 13 से 29 जनवरी तक भुवनेश्वर और राउरकेला की संयुक्त मेजबानी में आयोजित होने वाले पुरुष हॉकी विश्व कप का ड्रॉ निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आठ सितंबर को ही होगा। वहीं एफआईएच के वरिष्ठ प्रबंधक संचार, निकोलस मैंगोट ने भी इसकी पुष्टि की है।

6 साल से अधिक सजा वाले अपराधों के लिए फॉरेंसिक जांच अनिवार्य की जाए, अमित शाह का दिल्ली पुलिस को आदेश

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेन्सी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को दिल्ली पुलिस को छह साल से अधिक की सजा वाले सभी अपराधों में फॉरेंसिक जांच अनिवार्य करने का निर्देश दिया है। अमित शाह ने आज दिल्ली पुलिस मुख्यालय का दौरा कर विभिन्न विषयों पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की। इस दौरान जल्द ही भारत में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में सुरक्षा व्यवस्था पर गहन चर्चा की गई।

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि दिल्ली में छह साल से अधिक की सजा वाले सभी अपराधों में दोषसिद्धि दर बढ़ाने और आपराधिक न्याय प्रणाली को फॉरेंसिक विज्ञान लैब से फॉरेंसिक जांच अनिवार्य की जाए। उन्होंने कहा कि गंभीर प्रकृति के चिन्हित अपराधों में पुलिस द्वारा कानूनी जांच के बाद ही चार्जशीट दाखिल की जाए।

शाह ने कहा कि सर्विलॉन्स क्राइम को रोकने और जांच में पुलिस का एक प्रमुख घटक है, इसलिए दिल्ली में नागरिक प्रशासन और पुलिस द्वारा कैमरे लगाए गए हैं, साथ ही हवाईअड्डों, रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंड, बाजारों, जैसे सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। आरडब्ल्यूए को कंट्रोल रूम के साथ जोड़ा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और पड़ोसी राज्यों राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में सक्रिय बहुराज्यीय आपराधिक गिरोहों पर नकेल कसने की रणनीति तैयार की गई है।

इस बैठक में भारत में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में सुरक्षा व्यवस्था पर गहन चर्चा हुई। केंद्रीय गृहमंत्री ने निर्देश दिया कि गृह मंत्रालय की एक टीम को सुरक्षा पहलुओं का अध्ययन करने के लिए कुछ ऐसे देशों का दौरा करना चाहिए जहां जी-20 शिखर सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया था।

शाह ने कहा कि महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा प्राथमिकता होनी चाहिए। गृहमंत्री ने निर्देश दिया कि उन्हें अधिक पेशेवर और संवेदनशील दृष्टिकोण के साथ एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के प्रयासों में तेजी लाई जाए।

उन्होंने कहा कि आम जनता की सुरक्षा के साथ-साथ उनकी सुविधा भी दिल्ली पुलिस की प्राथमिकता होनी चाहिए, इसलिए बुनियादी ढांचे और सिग्नलिंग के लिए एक उचित रणनीति बनानी चाहिए और एक अल्टरनेट एक्शन प्लान बनाया जाना चाहिए ताकि यातायात सुचारू रूप से चल सके। पारंपरिक ट्रैफिक हॉटस्पॉट की पहचान करना जहां अत्यधिक जाम की स्थिति देखी जाती है।

बैठक में दिल्ली पुलिस द्वारा पुलिस व्यवस्था पर चर्चा करते हुए संवेदनशील पुलिसिंग, अपराधों की वैज्ञानिक और पेशेवर जांच, कानून और न्याय प्रबंधन, साइबर अपराध, प्रशिक्षण, भविष्य की चुनौतियों और पुलिस कर्मियों के कल्याण की गहन समीक्षा की गई।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि शिकायतों के समय पर निस्तारण और ऑनलाइन शिकायतों के संबंध में शिकायतकर्ता को उसकी शिकायत की स्थिति की जानकारी देने की सुविधा विकसित की जाए। शाह ने कहा कि पुलिस कर्मियों के मानवीय कार्यों को आम जनता तक पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पुलिस के प्रति लोगों की धारणा बदलने के लिए पुलिस कॉन्स्टेबल्स को स्कूली बच्चों के साथ समय बिताना चाहिए। इसके साथ ही स्कूली बच्चों को थानों का भ्रमण कराकर सामुदायिक क्षेत्रों में पुलिस द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि स्कूली बच्चों को समाज में पुलिस की भूमिका और उनकी सेवाओं के लिए पुलिस से संपर्क करने के तरीके के बारे में भी बताया जाना चाहिए।

केंद्रीय गृहमंत्री ने राष्ट्रमंडल खेलों (सीडब्ल्यूजी), विश्व पुलिस फायर गेम्स और अन्य खेल आयोजनों में पदक जीतने वाले पुलिसकर्मियों और पुलिस कर्मियों के बच्चों को बधाई दी।

बीजेपी से लड़ना है तो हर तरह की जांच और मुकदमें के लिए होना होगा तैयार : अखिलेश यादव

लखनऊ, 30 अगस्त (एजेन्सी)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को बीजेपी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अगर बीजेपी से लड़ना है तो हर तरह की जांच और मुकदमें के लिए तैयार रहना होगा। बीजेपी सरकार ने दूसरों की इमेज खराब करने लगी है। इसके अलावा झूठ बोलने के लिए आईटी प्रोफेशनल को काम पर लगाया है। बीजेपी के लोग प्रोपेगेंडा को फैलाते हैं।

अखिलेश यादव मंगलवार को लखनऊ में राजस्व सेवा के पूर्व अधिकारी कमल किशोर कठेरिया द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे। इस दौरान पूर्व सीएम ने कमले किशोर की द्वारा लिखित किताब भागीदारी का संघर्ष का विमोचन किया। उन्होंने बीजेपी को सबसे बड़ी झूठी पार्टी बताया।

अखिलेश यादव ने कहा कि महिला अपराध और हिरासत में मौत के मामले में यूपी देश में पहले स्थान पर है। इसके अलावा राज्य में लेन देन का भ्रष्टाचार थाने से तय किया जाता है, दुकानदारों और ठेले वालों से वसूली की जाती है। भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि एक मंत्री ने दिल्ली से आकर ट्रांसफर पोस्टिंग में कई सौ करोड़ रुपये कमा लिए।

अखिलेश यादव ने यूपी के दोनों उपमुख्यमंत्री को पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को न बोलना पड़े लिए इसलिए इन्हें (उपमुख्यमंत्री) को रखा गया है। चीन भारत की सीमा में कब्जा कर रहा है लेकिन सरकार के ट्विन डिप्टी सीएम उस पर नहीं कुछ बोलेंगे। उन्हें उसकी जानकारी नहीं हैं।

अखिलेश ने आगे कहा कि हक और भागीदारी की लड़ाई बहुत लंबी है। यह लड़ाई जिन लोगों से लड़नी है, वह ताकतवर है। हर जगह मौजूद हैं और हर संस्था में पहुंच गए हैं।

आने वाले समय में जब भी समाजवादियों को मौका मिलेगा तो हम जातीय जनगणना कराएंगे। कमल किशोर कठेरिया ने कहा कि सिर्फ भारत ही नहीं अमेरिका, कनाडा और न्यूजीलैंड जैसे देशों में भी है, लेकिन भारत में आरक्षण पर हमेशा से हमला होता रहा है।

दिल्ली में भ्रष्टाचार का ट्विन टावर है शिक्षा और शराब घोटाला : मनोज तिवारी

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेन्सी)। दिल्ली से भाजपा के लोक सभा सांसद मनोज तिवारी ने भ्रष्टाचार को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पर निशाना साधा है।

भाजपा ने यह भी आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार ने कक्षाओं के निर्माण की लागत में कई बार वृद्धि की और कई स्कूलों के शौचालयों को कक्षाओं के रूप में पेश किया, ताकि बढ़ाई गई लागत को जायज ठहराया जा सके।

भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार रिवर्स रॉबिनहुड के मॉडल पर अमल कर रही है, जिसके तहत गरीबों के कल्याण के लिए निर्धारित राशि से शराब माफियाओं का खजाना भरा जा रहा है।

पूनावाला ने कहा, लोगों ने पाठशाला (स्कूल) मांगी थी, लेकिन आप सरकार ने उन्हें मधुशाला (शराब की दुकानें) दी। शिक्षा व शराब घोटाला राष्ट्रीय राजधानी में भ्रष्टाचार के ट्विन टावर हैं।

सांसद मनोज तिवारी ने उस घटना का जिक्र किया, जिसमें बाहरी दिल्ली के नांगलोई इलाके के एक सरकारी स्कूल में कक्षा में पंखा गिरने से एक छात्रा के सिर में गंभीर चोट आई थी।

तिवारी ने केजरीवाल सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा, अब तक आप की नैतिकता में गिरावट आ रही थी और अब उसके स्कूलों में पंखे भी गिरने लगे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कई सरकारी स्कूलों में कक्षाओं के निर्माण में अर्ध-स्थायी संरचनाओं का इस्तेमाल किया गया है, जिसके चलते पंखे गिर रहे हैं।

छात्रा को नांगलोई के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है।

तिवारी ने यह भी आरोप लगाया कि स्कूलों के निर्माण में घोटाला हुआ है और सरकार ने कई परियोजनाओं में निर्माण की लागत को कई बार बढ़ाया है।

उन्होंने एक रिपोर्ट प्रदर्शित करते हुए दावा किया कि पांच लाख रुपये की लागत बढ़ाकर 33 लाख रुपये कर दी गई और कई स्कूलों में निर्माण लागत में वृद्धि को जायज ठहराने के लिए शौचालयों को कक्षाओं के रूप में गिना और पेश किया गया। भाजपा नेताओं के आरोपों पर दिल्ली सरकार या आप की तरफ से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

हलाला-बहुविवाह पर नोटिस जारी, दशहरे के बाद सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ दशहरा की छुट्टियों के बाद मुस्लिम बहुविवाह और निकाह हलाला की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई शुरू करेगी। जस्टिस इंदिरा बनर्जी, जस्टिस हेमंत गुप्ता, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस सुधांशु धूलिया की पांच जजों की पीठ के समक्ष इन प्रथाओं को चुनौती देने वाली आठ याचिकाओं को मंगलवार को सूचीबद्ध किया गया। पीठ ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राष्ट्रीय महिला आयोग और राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग को नोटिस जारी किया और दशहरा की छुट्टियों के बाद सुनवाई के लिए याचिकाओं को सूचीबद्ध कर दिया।

दरअसल, मार्च 2018 में मामलों को तीन न्यायाधीशों की पीठ द्वारा संविधान पीठ को भेजा गया था। याचिका कुछ मुस्लिम महिलाओं नैसाहसन, शबनम, फरजाना, समीना बेगम ने दायर की हैं। साथ ही वकील अश्विनी उपाध्याय और मोहसिन कथिरी ने भी बहुविवाह और निकाह-हलाला की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी है। मुस्लिम महिला प्रतिरोध समिति नाम के एक संगठन ने एक याचिका दायर की है। जमीयत उल्मा ने प्रथाओं का समर्थन करने वाले मामले में हस्तक्षेप किया है।

शरिया या मुस्लिम पर्सनल लॉ के अनुसार, पुरुषों को बहुविवाह की अनुमति है, यानी वे एक ही समय में एक से अधिक पत्नी रख सकते हैं। चार पत्नियां रख सकते हैं। निकाह हलाला एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें एक मुस्लिम महिला को अपने तलाकशुदा पति से दोबारा शादी करने की अनुमति देने से पहले दूसरे व्यक्ति से शादी करनी होती है और उससे तलाक लेना पड़ता है।

याचिकाकर्ताओं ने बहुविवाह और निकाह-हलाला पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए कहा है कि यह मुस्लिम पत्नियों को बेहद असुरक्षित, कमजोर बनाता है। साथ ही उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है।

पीएम मोदी ने एक दिन नहीं ली छुट्टी, अब 2029 की तैयारी करे विपक्ष : प्रकाश जावड़ेकर

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेन्सी)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा है कि विपक्ष को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व और देश के लोगों के लिए उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों को समझना चाहिए। इसलिए विपक्ष को सलाह है कि वह 2024 के लोकसभा चुनावों के बारे में चिंता न करें और इसके बजाय 2029 के लोक सभा चुनावों के बारे में सोचें।

महाराष्ट्र के ठाणे में भाजपा के एक कार्यक्रम में 'मोदी के 20 साल' नाम की एक पुस्तक के विमोचन के मौके पर प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि 2014 में मोदी के प्रधान मंत्री बनने के बाद से देश में माहौल अच्छे दिन के रूप में बदल गया है।

प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि देश को एक ऐसा प्रधानमंत्री मिला है जो अलग सोच और कार्यक्रम लेकर आया, लोगों से सीधे संवाद किया और शासन में पारदर्शिता लाई। उन्होंने कहा कि भाजपा को बार-बार चुनावी सफलता इसलिए मिल रही है क्योंकि लोग मोदी के काम को पसंद करते हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'विपक्ष को पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काम को समझना चाहिए। पिछले 20 वर्षों में, गुजरात के सीएम से प्रधानमंत्री के रूप में पीएम मोदी एक बार भी बीमार हुए बिना लगातार काम कर रहे हैं। मोदी द्वारा विभिन्न कार्यक्रम, गतिविधियां और योजनाएं चलाई जा रही हैं।'

'हर घर तिरंगा' अभियान के माध्यम से पूरे देश में देशभक्ति का माहौल बनाया गया था। वीआईपी संस्कृति अतीत की बात हो गई है। दस्तावेज़ सत्यापन, एक प्रथा जो दशकों से अस्तित्व में थी, एक दिन में समाप्त कर दी गई थी। 2014 में एक एलईडी बल्ब की कीमत 200 रुपये थी, लेकिन अब यह 70 रुपये में उपलब्ध है।

जावड़ेकर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता के कारण उनकी पार्टी भाजपा के अब 11 करोड़ सदस्य हैं, जो इसे दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बनाता है।

जावड़ेकर ने आगे कहा, 'देश में 11,000 मानव रहित रेलवे फाटकों पर स्टाफ लगाया गया है या वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराए गए हैं। इसलिए, पिछले आठ वर्षों में रेलवे फाटकों पर कोई (बड़ी) दुर्घटना नहीं हुई है।' उन्होंने कहा कि जीवन प्रमाणपत्रों को डिजिटल बनाने के केंद्र के फैसले से पेंशनभोगियों को काफी फायदा हुआ है। उन्होंने कहा कि घर, पानी, खाद्यान्न, रसोई गैस, घर में शौचालय और जरूरतमंदों को मुफ्त इलाज मुहैया कराने जैसे मोदी के व्यापक फैसले आम नागरिकों के लिए उनकी चिंता को दर्शाते हैं। इसके चलते कई गृहणियां भाजपा कार्यकर्ता बन गई हैं।

उन्होंने कहा कि राम मंदिर का मुद्दा पिछले 500 साल से लंबित था, लेकिन अब अयोध्या में भगवान राम को समर्पित एक भव्य मंदिर बनने जा रहा है। भाजपा नेता ने कहा कि करतारपुर कॉरिडोर के खुलने, बौद्ध सर्किट और चारधाम यात्रा के लिए सड़क संपर्क में सुधार को लोगों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। जावड़ेकर ने कहा, 'इसलिए अब विपक्ष को 2024 के चुनावों की चिंता किए बिना 2029 के लोकसभा चुनावों पर चर्चा करनी चाहिए।'

केशव मौर्य ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का किया दौरा, बांटी राहत सामग्री

प्रयागराज, 30 अगस्त (एजेन्सी)। यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को प्रयागराज में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि गंगा किनारे बसने वाले लोगों को बाढ़ से बचाने का काम किया जाएगा, जिसके लिए बांध बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि बांध योजना समाप्त नहीं हुई है। अभी भी इस पर काम चल रहा है।

उपमुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र सलोरी और छोटा बघाड़ा में नाव से राहत सामग्री बांटी। उन्होंने कहा कि प्रभावित लोगों के लिए पर्याप्त प्रबंध किए जा रहे हैं। सभी बाढ़ पीड़ितों के लिए भोजन और उपचार की व्यवस्था की गई है। बाढ़ का पानी घट रहा है, इसके अलावा बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों को महामारी से बचाने के लिए स्वास्थ्य विभाग को अलर्ट मोड पर रखा गया है। राहत पैकेट बांटने का उद्देश्य बाढ़ पीड़ितों के पास पहुंचना और उनकी पीड़ा को सुनना था। सरकार बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए पूरी तरह तैयार है।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार यूपी में अपराध की कमी हुई है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद राज्य में अपराध कम हुआ है। पहले आम आदमी को डर लगता था लेकिन आज अपराधी पुलिस से डर रहे हैं। डिप्टी सीएम ने अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें अपराध पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है। सपा की सरकार में खाली प्लॉटों पर अवैध कब्जा होता था। 2014 से अखिलेश यादव को लागातार हार मिल रही है जिससे वे बौखला गए हैं। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सपा जैसी पार्टी ही जातिवाद और परिवारवाद को बढ़ावा देती है। सपा को 2024 और 2027 में पराजय मिलेगी।

केशव प्रसाद मौर्य ने नई दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के बच्चा चोर वाले बयान पर कहा, 'वे खुद घोटालेबाज हैं। कानून किसी को नहीं बख्शेगा, भ्रष्टाचार की इमारत ढहेगी।' बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण करने के बाद उप मुख्यमंत्री ने वाईएमसीए स्कूल में बाढ़ राहत शिविर का दौरा किया। उप मुख्यमंत्री के साथ बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का दौरा करने वालों में सांसद केसरी देवी, विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी, गुरु प्रसाद मौर्य, पूर्व विधायक दीपक पटेल, जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री, एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय और भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी समेत कई अन्य लोग शामिल रहे।

हिन्दुओं को कुछ राज्यों में अल्पसंख्यक का दर्जा देने की मांग पर 6 सप्ताह में जवाब दे केंद्र: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेन्सी)। हिन्दुओं को ऐसे राज्यों में अल्पसंख्यक का दर्जा देने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से 6 सप्ताह में राय मांगी है, जहां उनकी आबादी कम है। अदालत ने केंद्र सरकार से कहा है कि वह इस मामले में अपना फाइनल स्टैंड 6 सप्ताह के भीतर दे। इसके साथ ही अदालत ने अगली सुनवाई 19 अक्टूबर को करने का फैसला लिया है। अदालत ने कहा कि केंद्र सरकार को राय देनी चाहिए कि ऐसे राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में हिन्दुओं को अल्पसंख्यक का दर्जा दिया जाए या नहीं, जहां उनकी संख्या दूसरे समुदायों के मुकाबले कम है। इससे पहले केंद्र सरकार ने अदालत में कहा कि उसे इस पर राय देने के लिए कुछ और समय चाहिए।

इससे पहले सोमवार को केंद्र सरकार ने अदालत से इस मामले में जवाब देने के लिए कुछ मोहलत मांगी थी। देश के 10 केंद्र शासित प्रदेशों एवं राज्यों में हिंदू अल्पसंख्यक हैं। इसी को आधार बनाते हुए सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दी गई है कि जहां हिन्दुओं की आबादी कम है, वहां उन्हें अल्पसंख्यक का दर्जा दिया जाए। इस मसले पर बोलते हुए केंद्रीय अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय ने अदालत में कहा कि इस मसले पर अब तक नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर की ओर से कोई जवाब नहीं मिल सका है। इसके अलावा हिमाचल, यूपी और हरियाणा जैसे राज्यों से भी जवाब नहीं आ पाया है।

केंद्र सरकार ने कहा कि वह इस मसले पर बैठकें करेगी और मंथन के बाद ही कोई जवाब दिया जा सकता है। इससे पहले मई में अदालत ने केंद्र सरकार के बार-बार रुख बदलने पर नाराजगी जाहिर की थी। बता दें कि केंद्र सरकार ने इसी मसले पर 25 मार्च को अदालत में कहा था कि अल्पसंख्यक का दर्जा देने के मामले में केंद्र और राज्य समानांतर संस्था हैं। सरकार ने कहा कि राज्यों की ओर से भी अपने स्तर पर किसी समुदाय को अल्पसंख्यक का दर्जा दिया जा सकता है। लेकिन दो महीने बाद ही मई में केंद्र सरकार ने कहा था कि अल्पसंख्यक दर्जा तय करने का अधिकार सिर्फ केंद्र के पास ही है। उसके इसी बदले रवैये पर शीर्ष अदालत ने नाराजगी जाहिर की थी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रक: नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com